घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 88- बुधवार 28- जनवरी 2026,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 4 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

बजट सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक

सरकार का VB-G RAM-G कानून पर चर्चा से इनकार...

नई दिल्ली,27 जनवरी 2026। संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने विधायी और अन्य एजेंडों पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में 35+ पार्टियों के सांसद शामिल हुए। इस दौरान बजट सत्र को सकारात्मक और सुचारू रूप से चलाने को लेकर चर्चा हुई। बजट सत्र 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करने के साथ शुरू होगा। केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश होगा। इस दिन रविवार है। ऑल पार्टी मीटिंग के बाद किरेन रिजिजू ने विपक्ष के विधायी एजेंडा शेयर नहीं करने के आरोप पर कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद सरकार अपना एजेंडा शेयर करती है। विपक्ष को बोलने की आजादी है, लेकिन सुनना भी जरूरी है। उन्होंने मनरेगा की जगह लाए गए **VB-G RAM-G** कानून पर चर्चा की मांग खारिज कर दी।

मीटिंग के बाद विपक्षी सांसदों की प्रतिक्रिया

- **शिवसेना (UBT) MP अरविंद सावंत**-सभी ने अपने-अपने राज्यों के हिसाब से अपनी मांगें रखी हैं। प्रदूषण,**SIR**, बढ़ती बेरोजगारी जैसे कई मुद्दे हैं और भी बहुत कुछ।
- **समाजवादी पार्टी MP राम गोपाल यादव**- इस बजट से किसी को कुछ नहीं मिलने वाला है। बजट उन्हीं के लिए है जिनके पास संपत्ति है।
- **AAP MP संजय सिंह**- मैंने यह बात उठाई कि सरकार फॉरेन पॉलिसी पर पूरी तरह फेल रही है, चाहे वह बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार हों या **US** द्वारा लगातार प्रधानमंत्री को बेइज्जत करने का मामला हो।

बजट सत्र से जुड़े नॉलेज फैक्ट

2026-27 का बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का लगातार नौवां बजट होगा। वित्त मंत्री 7.4% विकास दर और अनिश्चित जियो पॉलिटिक्स के बीच 1 फरवरी को लोकसभा में बजट पेश करने वाली हैं। यह मोदी 3.0 सरकार का तीसरा पूर्ण बजट होगा। बजट सत्र के दौरान लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए अस्थायी रूप से तीन दिन (2 से 4 फरवरी) तय हैं। 28 जनवरी और 1 फरवरी को कोई शून्यकाल नहीं होगा। बजट सत्र का 2 अप्रैल तक चलेगा। इस अवधि में इंटरसेशन ब्रेक भी होगा। बजट सत्र का पहला चरण 13 फरवरी तक निर्धारित है, जबकि दूसरा चरण 9 मार्च से 2 अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र में 30 बैठकें होंगी।

ऑल पार्टी मीटिंग में विपक्ष की मांग

भारत यूरोपियन संघ के फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर चर्चा हो। ओडिशा में संकट में फंसे किसान और बीजेपी शासित राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चर्चा हो। 16 साल से कम उम्र के लोगों के लिए सोशल मीडिया बैन पर बिल लाया जाए।

बजट सत्र के दौरान इन बिलों पर हो सकती है चर्चा

लोकसभा में 9 विधेयक लंबित हैं, जिनमें विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025, प्रतिभूति बाजार संहिता 2025 और संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 शामिल हैं। इन विधेयकों की वर्तमान में संसदीय स्थायी या प्रवर समितियां जांच कर रही हैं।

भारत-यूरोपियन यूनियन में 18 साल बाद ट्रेड डील

इम्पोर्टेड लग्जरी कारों पर टैरिफ 110% से घटकर 10% प्रीमियम शराब पर 150% की जगह 20% टैक्स

नई दिल्ली,27 जनवरी 2026। भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच 18 साल की लंबी बातचीत के बाद मंगलवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो गया है। भारत और यूरोपियन यूनियन के नेताओं ने मंगलवार को 16 वें भारत-ई समिट के दौरान इसका ऐलान किया। इस समझौते को 2027 में लागू किए जाने की संभावना है। इस डील के बाद भारत में यूरोपीय कारें जैसे कि बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज पर लगने वाले टैक्स को 110% से घटाकर 10% कर दिया जाएगा। इसके अलावा भारत में यूरोप से आने वाली शराब और वाइन पर टैक्स कम हो सकता है। यूरोपीय देशों की शराब पर अभी 150% टैरिफ लगता है। इसे घटाकर 20-30% किया जाएगा। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि यूरोपियन यूनियन दूसरी सबसे बड़ी। दोनों मिलकर वैश्विक जीडीपी का करीब 25% और दुनिया के कुल व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा रखते हैं।

मोदी बोले...27 तारीख को 27 देशों के साथ एफटीए

भारत-यूरोपीय फ्री-ट्रेड एग्रीमेंट पर पीएम मोदी ने कहा कि 27 जनवरी को भारत ने यूरोप के 27 देशों के साथ यह एफटीए साइन किया है। इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा,नई इनोवेशन साझेदारियां बनेंगी और वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन मजबूत होगी। यह सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि साझा समृद्धि का रोडमैप है। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस

समझौते के तहत भारत और यूरोपीय संघ मिलकर इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि इस समय दुनिया में वैश्विक व्यवस्था को लेकर उथल-पुथल है, ऐसे में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार बहुत जरूरी हो गया है। इसके बाद पीएम मोदी ने इंडिया-ई बिजनेस फोरम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में व्यापार तकनीक और रेयर खनिजों को हथियार बनाकर इनका इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है,इसलिए भारत और यूरोपियन यूनियन को मिलकर अपनी निर्भरता कम करनी चाहिए। यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने खुद को प्रवासी भारतीय बताया। उन्होंने कहा कि मैं यूरोपीय परिषद का अध्यक्ष हूं, लेकिन साथ ही मैं एक ओवरसीज इंडियन सिटिजन भी हूं। इसलिए, जैसा आप समझ सकते हैं,मेरे लिए इसका एक खास भावनात्मक मतलब है। कोस्टा ने कहा कि मुझे अपनी गोवा से जुड़ी पहचान पर बहुत गर्व है,जहां से मेरे पिता का परिवार आया है।

महाकाल मंदिर में वीआईपी दर्शन के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली,27 जनवरी 2026। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन में श्री महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में वीआईपी दर्शन के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि धार्मिक मामलों का नियमन न्याय क्षेत्र का हिस्सा नहीं है और मंदिर प्रबंधन के लोग ही ऐसे मुद्दों पर फैसला करें। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस आर महादेवन और जॉयमाल्य बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता दर्पण अवस्थी को इस संबंध में मंदिर अथॉरिटी के सामने अपनी बात रखने को कहा। अदालत के याचिका खारिज करने के बाद याचिकाकर्ता दर्पण अवस्थी की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने याचिका वापस लेने क अनुमति मांगी और अपनी बात संबंधित अधिकारियों के सामने रखने की बात कही। वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि नागरिकों के साथ वीआईपी दर्जे के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है। जैन ने कहा,'अगर कोई व्यक्ति गर्भगृह में प्रवेश कर रहा है, तो यह अक्सर कलेक्टर की सिफारिश के कारण होता है। एक नियमित भक्त को देवता को जल चढ़ाने का वही अधिकार होना चाहिए।' उन्होंने तर्क दिया कि या तो सभी के लिए एंट्री पर पूरी तरह रोक होनी चाहिए या सभी को बराबर मंजूरी मिलनी चाहिए। विष्णु शंकर जैन ने कहा कि नागरिकों के साथ वीआईपी दर्जे के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है।

रोजगार घटा,असमानता बढ़ी और जीडीपी आंकड़े अविश्वसनीय : कांग्रेस

नई दिल्ली,27 जनवरी 2026। कांग्रेस ने देश में असमानता बढ़ने, एफडीआई नकारात्मक होने, एशिया में पिछले एक साल में रुपए के सबसे कमजोर प्रदर्शन के साथ केंद्र सरकार पर जीडीपी के आंकड़े बढ़ा-चढ़ा कर बताने का आरोप लगाया। कांग्रेस के पूर्व सांसद और एआईसीसी रिसर्च विभाग के अध्यक्ष प्रो.राजीव गौड़ा ने मंगलवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में अपनी वार्षिक रिपोर्ट 'रियल स्टेट ऑफ द इकोनॉमी 2026' जारी करते हुए केंद्र सरकार पर अर्थव्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था को चमकदार बताती है लेकिन हकीकत यह है कि नौकरियां घट रही हैं, असमानता बढ़ रही है और आम लोगों की हालत खराब होती जा रही है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में बताया गया कि मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में रोजगार का हिस्सा घटा है, जबकि कृषि पर निर्भरता बढ़ी है। रोजगार वृद्धि मुख्यतः कम वेतन वाली,गिग अर्थव्यवस्था और अनौपचारिक क्षेत्र में हो रही है,जहां कर्मचारियों को न तो कॉन्ट्रैक्ट मिलता है और न ही सामाजिक सुरक्षा। उन्होंने कहा कि देश में असमानता बढ़ रही है।

वीबीजी रामजी को समाप्त करने के लिए निरंतर संघर्ष : मुख्यमंत्री सिद्धारमैया

नई दिल्ली,27 जनवरी 2026। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने स्पष्ट किया है कि जब तक केंद्र सरकार वीबीजी रामजी (विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन-ग्रामीण) अधिनियम को निरस्त कर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को पुनः बहाल नहीं करती, तब तक यह संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित 'मनरेगा बचाओ संग्राम' एवं 'राजभवन चलो' विशाल विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने मनरेगा के माध्यम से गरीबों को प्राप्त संवैधानिक रोजगार के अधिकार को छीन लिया है। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना के तहत महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति, दिव्यांगों सहित ग्रामीण गरीबों को प्रति वर्ष 100 दिनों के रोजगार की गारंटी प्राप्त थी।

देशभर में यूजीसी के नए नियमों का विरोध...

दिल्ली हेडक्वार्टर की सुरक्षा बढ़ी,यूपी में सवर्ण सांसदों को चूड़ियां भेजीं

नई दिल्ली,27 जनवरी 2026। देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के नए नियमों को लेकर विरोध तेज हो गया है। नई दिल्ली में यूजीसी हेडक्वार्टर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रदर्शनकारियों को कैंपस के अंदर घुसने से रोकने के लिए बड़ी संख्या में बैरिकेड्स लगाए गए हैं। उत्तर प्रदेश के लखनऊ,रायबरेली,वाराणसी,मेरठ,प्रयाग राज और सीतापुर में छात्रों, युवाओं और विभिन्न संगठनों ने जगह-जगह प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। रायबरेली में भाजपा किसान नेता रमेश बहादुर सिंह और गौरक्षा दल के अध्यक्ष महेंद्र पांडेय ने सवर्ण सांसदों को चूड़ियां भेजी हैं। यूपी में बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने नए नियमों के विरोध में इस्तीफा दे दिया है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर कुमार विश्वास ने तंज कसा। सोशल मीडिया पर लिखा,'चाहे तिल लो या ताड़ लो राजा, राई लो या पहाड़ लो राजा, मैं अभागा 'सवर्ण' हूं...मेरा रोंया-रोंया उखाड़ लो राजा।'

संभल में काली पट्टी बांधकर यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ विरोध

यूपी के संभल में केमिस्ट ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने नए यूजीसी नियमों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने काली पट्टी बांधकर बाइक रैली भी निकाली। एसोसिएशन ने इसे रद्द करने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा है।

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

यूजीसी के नए को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है। एडवोकेट विनीत जिंदल की तरफ से दायर याचिका में कहा गया है कि ये नियम जनरल कैटेगरी के साथ भेदभाव करते हैं और उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। याचिका में रेगुलेशन 3(सी) के कार्यान्वयन पर रोक लगाने की मांग की गई है और कोर्ट से आग्रह किया गया है कि वह यह सुनिश्चित करे कि 2026 के नियमों के तहत निर्मित ढांचा सभी जातियों के व्यक्तियों पर समान रूप से लागू हो।

यूजीसी के नए नियमों का विरोध क्यों?

यूजीसी ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इसका नाम है- 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स,2026।' इसके तहत, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के के लिए विशेष समितियां,हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने के निर्देश दिए हैं। ये टीमें खासतौर पर एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों की शिकायतों को देखेंगी। सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही लाने के लिए किए गए हैं। हालांकि,नियमों को जनरल कैटेगरी के खिलाफ बताकर विरोध हो रहा है। आलोचकों का कहना है कि सवर्ण छात्र 'स्वाभाविक अपराधी' बना दिए गए हैं। जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स का कहना है कि नए नियम कॉलेज या यूनिवर्सिटी कैंपसों में उनके खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा दे सकते हैं। इससे कॉलेजों में अराजकता पैदा होगी।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बोले- किसी के भी साथ अत्याचार नहीं होगा

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि किसी को भी इसका गलत इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं रहेगा। किसी के भी साथ अत्याचार या भेदभाव नहीं किया जाएगा।

जातीय भेदभाव की स्पष्ट परिभाषा दी गई

इस परिभाषा में कहा गया है, 'जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, पैदाइश के स्थान, विकलांगता के आधार पर कोई भी अनुचित या पक्षपाती व्यवहार, जो पढ़ाई में बराबरी में बाधा बने या मानव गरिमा के खिलाफ हो, उसे जातिगत भेदभाव माना जाएगा।' जबकि ड्राफ्ट में जातीय भेदभाव की स्पष्ट परिभाषा नहीं थी।

सरकार का साल 2032 तक 3-नैनोमीटर चिप बनाने का लक्ष्य : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली,27 जनवरी 2026। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि सरकार का साल 2032 तक आधुनिक स्मार्टफोन और कंप्यूटर जैसे उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले 3-नैनोमीटर नोड के उच्च तकनीक वाले छोटे चिप बनाने का लक्ष्य है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम की डिजाइन आधारित प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के तहत मंजूर की गई 24 सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन कंपनियों के साथ बैठक के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेस में यह बात कही। अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद कहा,'साल 2032 तक हमारा लक्ष्य 3-नैनोमीटर चिप के डिजाइन और विनिर्माण के स्तर तक पहुंचना है। डिजाइन का काम तो हम आज भी कर रहे हैं लेकिन विनिर्माण के स्तर पर 3-नैनोमीटर तक

पहुंचना होगा।' उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र को इन छह प्रकार के चिप के किसी न किसी संयोजन की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा कि डिजाइन आधारित प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के दूसरे चरण के तहत सरकार चिप की छह श्रेणियों कंप्यूट, रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ), नेटवर्किंग, ऊर्जा, सेंसर और मेमोरी पर ध्यान केंद्रित करेगी। इससे देश की कंपनियों को 70-75 फीसदी प्रौद्योगिकी उत्पादों के विकास पर प्रमुख नियंत्रण मिल सकेगा। वैष्णव ने कहा कि सरकार छह प्रमुख प्रणालियों पर ध्यान देना चाहती है ताकि देश के पूरे सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षेत्र समग्र और व्यापक रूप से विकसित किया जा सके। उन्होंने कहा, वर्षों से सपना था कि भारत की कंपनियां सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन करें और भारत में सेमीकंडक्टर चिप उत्पादन हो। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में 10 परियोजना निर्माण में हैं, जबकि 4 प्रोजेक्ट में इस साल उत्पादन शुरू करेंगे। वैष्णव ने कहा कि 24 स्टार्टअप ने सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन किए हैं और 67 हजार छात्रों ने सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन की ट्रेनिंग ली है। मंत्री ने कहा,'कंप्यूटर,आरएफ,नेटवर्किंग, ऊर्जा, सेंसर और मेमोरी इन छह प्रमुख श्रेणियों में हम शिक्षा जगत और उद्योग को नए विचार, नई सोच और नए समाधान लेकर आने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

डाक विभाग का एसएसएल से समझौता

अब डाकघरों से मिलेगी पूंजी बाजार सेवाओं की सुविधा

नई दिल्ली,27 जनवरी 2026। डाक विभाग ने स्टॉक होल्डिंग सर्विसेज लिमिटेड (एसएसएल) के साथ पूंजी बाजार सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए समझौता किया है। इस समझौते के तहत आम लोगों को अब डाकघरों और डिजिटल माध्यमों से डिमैट और ट्रेडिंग खाता खोलने,म्यूचुअल फंड में निवेश करने, आईपीओ में भाग लेने और अन्य निवेश विकल्पों का लाभ उठाने जैसी तमाम सहूलियतें मिलेंगी। केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार, यह समझौता मंगलवार को नई दिल्ली स्थित डाक भवन में हुआ। इस साझेदारी का एक अहम हिस्सा वित्तीय जागरूकता और निवेशक शिक्षा है। एसएसएल निवेशक शिक्षा और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम चलाएगा, जिसमें डाक

भारतीय डाक
डाक सेवा-जन सेवा

विभाग भी सहयोग करेगा। खासकर ग्रामीण और छोटे शहरों के नए निवेशकों को समझाने पर जोर रहेगा। डाक सचिव वंदिता कौल ने कहा कि यह सहयोग वित्तीय समावेशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और विकसित भारत 2047 की सोच से जुड़ा है। डाक विभाग का डिजिटल नेटवर्क अब लोगों को सुरक्षित तरीके से पूंजी बाज़ार में भागीदारी करने में मदद करेगा।

नबान्न में ममता बनर्जी से मिले अखिलेश यादव,बोले...भाजपा को चुनौती देने वाली एकमात्र नेता ममता बनर्जी

कोलकाता,27 जनवरी 2026। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मंगलवार को राज्य सचिवालय नबान्न में समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने दावा किया कि देश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को प्रभावी ढंग से चुनौती देने की क्षमता केवल ममता बनर्जी में ही है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद ममता बनर्जी चौथी बार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनेंगी।

नबान्न में हुई बैठक के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अखिलेश यादव संयुक्त रूप से मीडिया के सामने आए। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत में ममता बनर्जी ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच यह एक संक्षिप्त शिष्टाचार भेंट

थी। वहीं अखिलेश यादव ने कहा, 'दीदी के सामने ईडी हार चुकी है और अब भाजपा की हार तय है। पूरे देश में भाजपा का मुकाबला केवल दीदी ही कर सकती हैं।'अखिलेश यादव ने इस दौरान आईपैक के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर हुई ईडी की छापेमारी का मुद्दा भी उठाया।

उन्होंने पेनड्राइव विवाद और केंद्रीय जांच एजेंसियों की भूमिका पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि भाजपा अब भी इस मुद्दे को भुला नहीं पाई है। उनका आरोप था कि बंगाल में ममता बनर्जी द्वारा ईडी को मात दिए जाने की सच्चाई को भाजपा स्वीकार नहीं कर पा रही है। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का भी कड़ा विरोध किया और भाजपा के साथ-साथ चुनाव आयोग पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में हार की आशंका से भाजपा वोट काटने के उद्देश्य से एसआईआर का सहारा ले रही है।

संपादकीय

उदाहरण बन गई भारतीय चुनाव प्रणाली

भिन्न सामाजिक पहचानों के बीच सामुदायिक संतुलन और सामाजिक सह-अस्तित्व हमारे लोकतंत्र की स्थिरता की गारंटी हैं। इसके पीछे चुनाव आयोग का सोच भी है। इसी सोच के कारण वह लगातार नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। ईवीएम, वीवीपैट,महिलाओं एवं दिव्यांगजनों द्वारा संचालित तथा थीम आधारित मतदान केंद्र, पोस्टल बैलेट, सूचना एवं प्रौद्योगिकी आधारित मतदाता सेवाएं और स्वीप जैसी पहलों को तेजी से व्यापक स्तर पर लागू किया जा रहा है...

पश्चिमी देशों की नजर में लोकतंत्र वही है,जो 1215 ईस्वी में इंग्लैंड में हुई मैग्नाकार्टा की संधि से उपजा। इस लोकतंत्र के नाते पश्चिमी देशों में एक खास तरह का श्रेष्ठताबोध है। ऐसे सोच वाले देशों में चुनाव कराने वाली संस्थाओं के संगठन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ डेमोक्रेटिक एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (आइडीईए) की अध्यक्षता भारत को मिलना मामूली बात नहीं। हाल में दिल्ली में चुनाव आयोग की अध्यक्षता में इस संगठन का सम्मेलन हुआ। इसके जरिये आयोग ने भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों से पश्चिमी देशों को एक तरह से परिचित कराने की कोशिश की। 1995 में 14 देशों द्वारा स्थापित इस संगठन के सदस्य देशों की संख्या अभी 37 है।

अमेरिका और जापान इसके स्थायी पर्यवेक्षक हैं। इस समय दुनिया की आबादी करीब आठ अरब है। इस लिहाज से यह संगठन करीब दो अरब बीस करोड़ पंजीकृत मतदाताओं का प्रतिनिधित्व कर रहा है। इसमें अकेले भारत की हिस्सेदारी 99 करोड़ 10 लाख से ज्यादा है। इसके हिसाब से भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। घरेलू मोर्चे पर जिस समय भारतीय चुनाव प्रणाली और मशीनरी सवालों के घेरे में है, उसी वक्त चुनाव आयोग के हाथ इस संस्था की कमान आने का अर्थ है कि आयोग की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ रही है। इस दृष्टि से संगठन की अध्यक्षता भारत के लिए केवल औपचारिक दायित्व नहीं, बल्कि वैचारिक नेतृत्व का भी अवसर है।

आज भारत में मतदाताओं की चुनावों में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। यह एक तरह से चुनाव व्यवस्था की सफलता है। चुनावी प्रबंधन में बढ़ता नवाचार, डिजिटल चुनाव प्रबंधन पर जोर,दिव्यांग और दूरस्थ क्षेत्रों के मतदाताओं तक बढ़ती पहुंच-ये सभी चुनाव आयोग के प्रयासों से ही संभव हुए हैं। चुनावी साक्षरता बढ़ाने को लेकर चुनाव आयोग ने बहुत प्रयोग किए हैं। विपक्षी सवालों के बावजूद चुनावों में मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी दिखाता है कि चुनाव आयोग के प्रति लोगों का भरोसा कम नहीं हुआ है। देश में चुनावी पवित्रता बनी हुई है, तो उसकी एक वजह भारत का पारंपरिक लोकतांत्रिक सोच है। दक्षिण भारत में दसवीं सदी के चोल शासकों ने ग्रामीण शासन व्यवस्था के लिए जो तंत्र विकसित किया था,उसे आधुनिक राजनीतिक विज्ञानी भी श्रेष्ठ मानते हैं।

मैग्नाकार्टा से पहले कर्नाटक में लिंगायत संप्रदाय के संस्थापक संत बसवेश्वर द्वारा स्थापित अनुभव मंडपम में समाज के हर वर्ग के लोग अपने धार्मिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर खुलकर चर्चा करते थे। राजनीतिशास्त्री इसे आधुनिक संसद का प्रारंभिक रूप मानते हैं। दुनिया में बढ़ता ध्रुवीकरण,दुष्प्रचार और साइबर हस्तक्षेप,चुनावों में काले धन का बढ़ता उपयोग तथा युवाओं की घटती रुचि ने आधुनिक लोकतंत्र के समक्ष गंभीर खतरे खड़े कर दिए हैं। जनमत को प्रभावित करने के लिए एआइ का बढ़ता इस्तेमाल कोढ़ में खाज का काम कर रहा है। ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में भारत के अनुभव और उसका सफल चुनावी माडल वैश्विक मंच पर लोकतांत्रिक देशों की चुनाव प्रणालियों के लिए आशा की किरण बन सकता है।

हमारे लोकतंत्र की ताकत केवल चुनाव प्रक्रिया नहीं,बल्कि हर वोट को मिली अहमियत से है। इसी वजह से विविधतापूर्ण समाज,भाषा,धर्म और असमानताओं के बावजूद भारतीय चुनाव प्रणाली शांतिपूर्ण बनी हुई है। बहुलतावादी समाज भारतीय लोकतंत्र की बाधा नहीं,बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत है। पश्चिमी देशों और ग्लोबल साउथ की लोकतांत्रिक प्रवृत्तियों की तुलना में भारतीय चुनाव प्रबंधन कहीं अधिक उपलब्धिपूर्ण दिखाई देता है। अमेरिका और यूरोप में न केवल मतदाता भागीदारी लगातार घट रही है,बल्कि अविश्वास और सामाजिक टकराव जैसी चुनौतियां भी बढ़ रही हैं।

इसके विपरीत विविधता के बावजूद हमारी व्यवस्था समाधान का शांतिपूर्ण माध्यम बनी हुई है। इसमें महिलाओं और युवा मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी ने लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत किया है। आमजन का राजनीतिक व्यवस्था के प्रति बढ़ता भरोसा भी इसी का प्रतीक है। विविध सामाजिक पहचान,जाति,पंथ और भाषा होने के बावजूद यदि भारत में पश्चिम जैसा सामाजिक टकराव नहीं है,तो इसकी प्रमुख वजह लोकतांत्रिक एवं चुनावी प्रक्रिया में भारतीय मतदाता का अटूट विश्वास है।

कांग्रेस शासन में अपमान की राजनीति, भाजपा सरकार में सम्मान की संस्कृति

- राष्ट्रीय पर्वों के मंच से बदली कोरिया जिले की प्रशासनिक कार्यशैली
- कुर्सियों से सम्मान तकः- कोरिया जिले में राष्ट्रीय पर्वों की बदली राजनीतिक
- संस्कृति कांग्रेस शासन में अपमान का आरोप,भाजपा सरकार में समन्वय और मर्यादा की मिसाल

राष्ट्रीय पर्व केवल औपचारिक आयोजन नहीं होते,बल्कि ये लोकतंत्र की आत्मा,प्रशासनिक मर्यादा और

रवि सिंह
कोरिया,छत्तीसगढ़

जनप्रतिनिधियों के सम्मान की सबसे बड़ी कसौटी होते हैं,जब पूरा देश 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे अवसरों पर तिरंगे के नीचे एकजुट होता है,तब मंच पर बैठने की व्यवस्था,अतिथियों का सम्मान और प्रशासनिक व्यवहार जनता के सामने सत्ता की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करता है,कोरिया जिले में बीते कुछ वर्षों के राष्ट्रीय पर्व आयोजनों को यदि गहराई से देखा जाए,तो यह साफ नजर आता है कि सरकार बदलते ही मंचों की संस्कृति,कुर्सियों का महत्व और प्रशासन का रवैया पूरी तरह बदल गया है,यही कारण है कि आज राष्ट्रीय पर्वों के मंच केवल समारोह नहीं, बल्कि राजनीतिक कार्य संस्कृति की तुलना का केंद्र बन गए हैं,कांग्रेस शासनकाल में जहां राष्ट्रीय पर्वों के मंच अपमान,असंतोष और टकराव का प्रतीक बन गए थे,वहीं भाजपा सरकार के दो वर्षों में वही मंच समरसता, मर्यादा और सहयोग का उदाहरण बनते नजर आ रहे हैं,लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन केवल राजनीतिक बदलाव नहीं होता,बल्कि यह कार्यसंस्कृति को सुधारने का अवसर भी होता है, कोरिया जिले में राष्ट्रीय पर्वों की बदली हुई यह तस्वीर इसी परिवर्तन की कहानी कहती है जहां कभी कुर्सियां भारी थीं,आज सम्मान भारी है।

जब कांग्रेस की सरकार थी...मंच बनते थे विवाद का कारण

पूर्ववर्ती कांग्रेस शासनकाल में, विशेषकर बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र में, राष्ट्रीय पर्वों के आयोजन अक्सर विवादों में घिरे रहते थे,गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस जैसे गरिमामय अवसर भी सत्ताधारी दल के भीतर असंतोष और नाराजगी का मंच बन जाया करते थे,उस दौर में कई ऐसे दृश्य सामने आए जब सत्ताधारी कांग्रेस के ही नेता और कार्यकर्ता मंचों पर अपेक्षित सम्मान से वंचित रहे,कई कार्यक्रमों में कांग्रेस नेताओं की कुर्सियां मंच से हटा दी गईं या उन्हें अंतिम पंक्तियों में बैठाया गया,कुछ अवसरों पर नेताओं को कुर्सियों से उठाकर नीचे बैठने को मजबूर किया गया,नाराज कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक रूप से जमीन पर बैठकर विरोध भी दर्ज कराया, ये घटनाएं केवल व्यक्तिगत अपमान नहीं थीं, बल्कि उन्होंने राष्ट्रीय पर्वों की गरिमा पर भी प्रश्नचिह्न खड़े किए।

कोरिया जिला क्यों बना अपवाद

जानकारों का मानना है कि यह स्थिति पूरे प्रदेश में समान नहीं थी,कई जिलों में कांग्रेस शासनकाल के दौरान भी राष्ट्रीय पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होते रहे, किंतु कोरिया जिले की बैकुंठपुर विधानसभा इस मामले में अपवाद बनी रही,यहां हर राष्ट्रीय पर्व से पहले मंच व्यवस्था को लेकर चर्चाएं,आशंकाएं और तनाव का माहौल बन जाता था, यही कारण रहा कि यह विषय वर्षों तक स्थानीय राजनीति में चर्चा का केंद्र बना रहा।

2023 के बाद बदली तस्वीर

वर्ष 2023 में प्रदेश में सत्ता परिवर्तन हुआ और भाजपा की सरकार बनी, इसके साथ ही कोरिया जिले में शासकीय आयोजनों की कार्यशैली में भी स्पष्ट बदलाव नजर आने लगा, पिछले दो वर्षों में स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस,शासकीय सम्मान समारोह, सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक कार्यक्रम लगातार आयोजित हुए, किंतु इन आयोजनों में वह पुराना तनाव दिखाई नहीं दिया।

प्रशासन ने दिया आमंत्रण पर उनके आवभगत की तैयारी में हुयी चूक,नाराज हुये जनप्रतिनिधि

प्रशासनिक संरक्षण और राजनीतिक असंतुलन

कांग्रेस शासनकाल की सबसे अधिक आलोचना इस बात को लेकर हुई कि जिन अधिकारियों पर नेताओं को अपमानित करने के आरोप लगे, उन्हें तत्कालीन विधायक का संरक्षण प्राप्त रहा, राजनीतिक हलकों में यह चर्चा आम थी कि जो अधिकारी कांग्रेस नेताओं को कुर्सियों से उठाते थे,जिन्हें मंच व्यवस्था में मनमानी करने की छूट थी,वही अधिकारी विधायक की नजर में कुशल और अनुशासित माने जाते थे,इसका परिणाम यह हुआ कि पार्टी कार्यकर्ताओं में निराशा और आक्रोश लगातार बढ़ता चला गया। कई वरिष्ठ नेताओं ने इसे अपमान की राजनीति बताया,जबकि कार्यकर्ताओं ने इसे अपने ही शासन में उपेक्षा का प्रतीक माना।

मंच पर दिखा सामंजस्य

भाजपा सरकार के कार्यकाल में राष्ट्रीय पर्वों के मंचों पर निर्वाचित जन प्रतिनिधियों,संगठन पदाधिकारियों,वरिष्ठ व कनिष्ठ कार्यकर्ताओं सभी को सम्मानजनक स्थान मिलता दिखाई दिया, मंच भले ही बड़ा हो या सीमित, कुर्सियों की संख्या चाहे अधिक हो या कम–किसी को अपमानित किए जाने या हटाए जाने की शिकायत सामने नहीं आई, राजनीतिक दृष्टि से यह परिवर्तन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रशासन वही,लेकिन दृष्टिकोण नया

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह बदल गया है, अधिकारी वही हैं,व्यवस्था वही है और नियम भी लगभग समान हैं,फिर भी अंतर साफ दिखाई देता है,आज प्रशासन यह समझने लगा है कि राष्ट्रीय पर्व केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों और जनता के आत्मसम्मान से जुड़े आयोजन हैं, इसी सोच के कारण मंचों पर व्यवहार संयमित,संवादपूर्ण और मर्यादित नजर आने लगा है।

भाजपा की कार्य संस्कृति बनी आधार

भाजपा सरकार के दो वर्षों में संगठनात्मक अनुशासन भी स्पष्ट रूप से सामने आया है,जहां आंतरिक मतभेद संभव हैं, वहीं उन्हें मंचों तक नहीं आने दिया गया,सार्वजनिक बयानबाजी से परहेज रखा गया,प्रशासनिक आयोजनों को राजनीतिक प्रदर्शन का मंच नहीं बनने दिया गया,राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यही अनुशासन राष्ट्रीय पर्वों को विवाद से दूर रखने का सबसे बड़ा कारण बना।

पहले कुर्सियां भारी थीं,अब सम्मान

पूर्ववर्ती सरकार के दौर में यह आम धारणा बन गई थी कि मंचों पर कुर्सियां नेताओं के सम्मान से अधिक महत्वपूर्ण हो गई थीं, आज स्थिति इसके ठीक विपरीत दिखाई देती है,अब कुर्सियां केवल बैठने का साधन हैं,जबकि सम्मान भावना प्राथमिकता बन चुका है इसी बदलाव ने कार्यकर्ताओं के भीतर आत्मविश्वास और सहभागिता की भावना को मजबूत किया है।

कार्यकर्ताओं में बढ़ा मनोबल

भाजपा शासनकाल में आयोजनों के दौरान कार्यकर्ताओं के चेहरों पर उत्साह साफ देखा जा सकता है,वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का कहना है कि मंच पर बैठने का स्थान केवल औपचारिक नहीं, बल्कि वह वर्षों की सेवा का सम्मान होता है, आज यह सम्मान मिलने से संगठन के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है।

राजनीतिक संदेश भी स्पष्ट

कोरिया जिले में राष्ट्रीय पर्वों के मंचों से उभरता यह परिवर्तन केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश भी देता है,यह बताता है कि सत्ता का मूल्य व्यवहार से तय होता है,शासन का प्रभाव मंचों से झलकता है, और सम्मान की राजनीति ही स्थायित्व लाती है।

भरोसे एवं भारत की आवाज थे विरल पत्रकार मार्क टुली

ललित गर्ग
पटपड़गंज,दिल्ली-92

भारत की समकालीन इतिहास-यात्रा में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो केवल घटनाओं का वृत्तांत नहीं लिखते, बल्कि समय की चेतना में घुल-मिलकर स्वयं इतिहास का हिस्सा बन जाते हैं। सर विलियम मार्क टुली,जिन्हें दुनिया भर में स्नेह और सम्मान से 'मार्क टुली' कहा गया,ऐसे ही विरल पत्रकार थे। उनका निधन केवल एक वरिष्ठ पत्रकार का जाना नहीं है, बल्कि उस पत्रकारिता-दृष्टि का अवसान है, जिसमें सत्य सनसनी से ऊपर और संवेदना आंकड़ों से अधिक महत्त्वपूर्ण होती थी। बीबीसी रेडियो की वह गूंजती हुई पंक्ति- 'दिस इज मार्क टुली रिपोर्टिंग फ्रॉम दिल्ली',दशकों तक भारतीय उपमहाद्वीप में भरोसे,प्रामाणिकता और संतुलन का पर्याय बनी रही। मार्क टुली एक विदेशी पत्रकार भर नहीं थे,वे भारत की आत्मा के स्थायी प्रवासी थे,जिनमें भारतीयता रची-बसी थी। उनका भारत से रिश्ता किसी वीजा, नियुक्ति या करियर-रणनीति का परिणाम नहीं था, बल्कि वह रक्त और मिट्टी का संबंध था। 24 अक्टूबर 1935 को कोलकाता के टॉलीगंज में जन्मे टुली ने ब्रिटिश राज के अंतिम दौर का भारत देखा,जिया और महसूस किया। एक समृद्ध ब्रिटिश परिवार में जन्म लेने के बावजूद दार्जिलिंग के बोर्डिंग स्कूलों और भारतीय जनजीवन की विविध छवियों ने उनके भीतर एक ऐसी आत्मीयता एवं संस्कार बो दिया, जो जीवन भर पुष्पित-पल्लवित होती रही। नौ वर्ष की आयु में जब वे इंग्लैंड गए,तब भी भारत उनके भीतर जीवित रहा-स्मृतियों में, संवेदनाओं में और दृष्टि में।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में धर्मशास्त्र का अध्ययन करते

समय उन्होंने पादरी बनने का विचार किया था। यह तथ्य अपने-आप में बहुत कुछ कहता है,क्योंकि सत्य की खोज, नैतिक विवेक और मानवीय करुणा उनके व्यक्तित्व की मूल धुरी थीं। किंतु नियति ने उन्हें चर्च की सीमित दीवारों से बाहर निकालकर एक ऐसे मंच पर खड़ा कर दिया,जहां वे पूरी मानवता से संवाद कर सकते थे। पत्रकारिता उनके लिए पेशा नहीं,बल्कि एक नैतिक दायित्व थी। जब वे बीबीसी के संवाददाता के रूप में भारत लौटे,तो उन्होंने इसे एक असाइनमेंट नहीं बल्कि अपने घर लौटने जैसा अनुभव किया। मार्क टुली की पत्रकारिता की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे भारत को पश्चिमी चश्मे से नहीं देखते थे। वे सत्ता के गलियारों से अधिक गांव की चौपाल,मंदिर-मस्जिद के आंगन,खेतों की मे और आम आदमी की चिंता को महत्त्व देते थे। आपातकाल हो या इंदिरा गांधी की राजनीति,सिख विरोधी दंगे हों या बाबरी मस्जिद विध्वंस,पंजाब का उग्रवाद हो या कश्मीर की पीड़ा-मार्क टुली ने हर विषय को संतुलन,गहराई और मानवीय संवेदना के साथ दुनिया के सामने रखा। वे घटनाओं के पीछे छिपी सामाजिक और सांस्कृतिक परतों को समझने की कोशिश करते थे,इसीलिए उनकी रिपोर्टिंग तत्कालीन शोर-शराबे से ऊपर उठकर स्थायी संदर्भ बन गई।

आज के आपाधापी और टीआरपी-केंद्रित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दौर में,जहाँ खबर से ज्यादा शोर और तथ्य से ज्यादा त्वरित प्रतिक्रिया को महत्व दिया जाता है,मार्क टली की पत्रकारिता एक उजली कसौटी बनकर सामने आती है। टीवी स्टूडियो की तीखी बहसों,चीखती हेडलाइनों और सतही विश्लेषण के उलट,मार्क टली ने यह सिद्ध किया कि शांत, संयमित और तथ्यपरक संवाद भी उतना ही प्रभावशाली होता है बल्कि अधिक विश्वसनीय होता है। उनकी पत्रकारिता दिल्ली के सत्ता-केंद्र तक सीमित नहीं थी,बल्कि वह भारत की आत्मा-गाँव,कस्बे,आम जन और उनकी पीड़ा से जुड़ी हुई थी। आज जब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अक्सर सत्ता,बाजार और सनसनी के दबाव में अपनी विश्वसनीयता खोता दिख रहा है, तब मार्क टली की शैली यह सिखाती है कि पत्रकारिता का असली धर्म प्रश्न पूछना, सच को धैर्य से समझना और उसे बिना शोर के,पूरे संदर्भ के साथ प्रस्तुत करना है। उनका जीवन आज के टीवी मीडिया के लिए एक मौन लेकिन सशक्त संदेश है कि भरोसे की आवो ऊँची नहीं,सच्ची होती है।

मार्क टुली की सबसे बड़ी देन यह थी कि उन्होंने भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया। वे मानते थे कि भारत किसी एक विचार, एक भाषा या एक संस्कृति से नहीं बनता,बल्कि यहां की बहुलता ही इसकी आत्मा है। हिंदू,मुस्लिम,सिख,ईसाई-ग्रामीण-शहरी,गरीब-अमीर,इन सबके बीच बहता हुआ संवाद ही भारत की असली पहचान है। जब दुनिया के कई हिस्से भारत को केवल गरीबी,अव्यवस्था या अराजकता के चश्मे से देखते थे, तब मार्क टुली ने भारत की सहिष्णुता, आध्यात्मिकता और जीवटता को रेखांकित किया। उन्होंने यह दिखाया कि यह देश विरोधाभासों के बावजूद नहीं, बल्कि उन्हीं के साथ जीना जानता है। मार्क टुली की आवाज रेडियो के माध्यम से करोड़ों लोगों के घरों तक पहुंचती थी। वह दौर ऐसा था,जब समाचार सुनने के लिए लोग घड़ी देखकर रेडियो ऑन करते थे। उनकी रिपोर्टिंग में नाटकीयता नहीं,बल्कि सजीवता-ठहराव था। वे कहते थे कि भारत को समझने के लिए अपनी घड़ी उतारकर रखनी पड़ती है। यह कथन केवल समय-संस्कृति की बात नहीं करता,बल्कि उस धैर्य और विनम्रता की ओर संकेत करता है,जिसके बिना भारत जैसे देश को समझा नहीं जा सकता। यही धैर्य उनकी पत्रकारिता में झलकता था।

गुफ्तगू

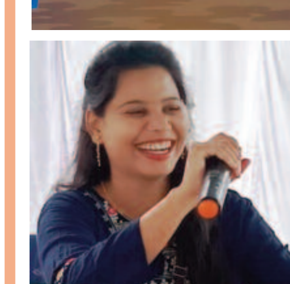

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम,गरियाबंद,छत्तीसगढ़

आज कल रिश्ता पक्का करना किसी जंग जीतने से कम नहीं है। लड़के वालों की फरमाइशें सुन कर ही डर लगता है भाई साहब!..विपुल और राहुल मार्निंग वॉक करते आज विवाह के रिश्ते पर चर्चा कर रहे थे।

जी भाई साहब, बिल्कुल! राहुल ने कहा।

अच्छा...! जमाना तो देखिए,आजकल बड़े लोग अपने खेतों में झाँकने तक नहीं जाते और लड़की वालों को खेत जमीन, जायजाद के बारे में ऐसे सवाल करते हैं जैसे शादी के बाद उनका लड़का खेतों में हल चलाएगा।

वाह..! जोर से ठहाके लगाकर विपुल जी हँसने लगे। अरे...भाई साहब! इसमें हँसने वाली बात नहीं, राहुल जी वहीं किनारे रुक आँखें बड़ी कर अचरज भाव से बोले...हमारे घर जो भी रिश्ते आते हैं सब वही पूछते हैं। लड़की इकलौती है तो कुछ तो मिलेगा न हिस्से में, वाह...भई...वाह...! ऐसा लगता है मानो लड़की से शादी नहीं, उनकी जमीन और खेती का सौदा करने आया हो।

सांस लेने तक को पौधे नहीं बच रहे,धनिया क्या लगाएंगे... खेतों की बात करते हैं; मुँह बनाते राहुल जी बोले।

पहले बुजुर्ग,लड़की में संस्कार ढूँढते थे, अब जमाना बदल चुका है,अब सिर्फ कार ढूँढते हैं वगैरह...वगैरह...सोने में सुहागा ऐसा कि कई लड़के काम-काज छोड़ जमाई राजा बनकर ऐशो आराम की जिंदगी जीने के सपने देखने लगते हैं।

अरे...विपुल जी आप अभी तक कुछ नहीं बोले बस भौंरें की तरह सर हिलाए जा रहे हैं...राहुल जी ने हैरानी से पूछा पर वे बोलते भी कैसे...पौष माह के शीतल समीर चलने के बावजूद राहुल जी की बातें सुनकर विपुल जी पसीने से तर-ब-तर होते हुए नजर आ रहे थे क्योंकि...विपुल जी भी इसी बिरादरी में शामिल जो थे।

यूजीसी के नए नियम

नरेंद्र सांवरिया

यूजीसी के नए नियमों को लेकर यह भ्रम भी दूर किया जाए कि समानता अवसर केंद्रों के सदस्य केवल आरक्षित वर्गों के लोग ही होंगे। इस सबके साथ ही सबसे अधिक आवश्यक यह है कि नए नियमों में झूठी शिकायत करने वालों को हतोत्साहित या फिर आवश्यक हो तो दंडित करने के भी उपाय किए जाएं,ताकि ऐसी शिकायतें न की जा सकें। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव रोकने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी की ओर से लागू किए गए नए नियम इस कारण निशाने पर हैं कि वे बदले की कार्रवाई का जरिया बन सकते हैं। इसकी बड़ी वजह नए नियमों में भेदभाव को स्पष्ट रूप से परिभाषित न किया जाना तो है ही, झूठी शिकायत करने वालों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई न करने का प्रविधान भी है। चूंकि इन नियमों को लेकर हो रहे विरोध का दायरा बढ़ता जा रहा है और विरोध करने वालों में सत्तारूढ़ भाजपा के नेता भी हैं,इसलिए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इन पर नए सिरे से विचार-विमर्श शुरू कर दिया है।

इसी के साथ इस पर राजनीति भी शुरू हो गई है और इसके तहत यूजीसी के नए नियमों को सामान्य बनाम अन्य के रूप में रेखांकित करने की कोशिश की जा रही है। इस क्रम में कुछ भ्रम भी फैलाए जा रहे हैं। यूजीसी के नए नियमों के अनुसार सभी शिक्षा संस्थानों को समानता अवसर केंद्र बनाने होंगे,जिनमें एससी-एसटी के साथ ओबीसी वर्ग के छात्र,कर्मचारी और शिक्षक भी अपने खिलाफ जातिगत आधार पर हो रहे भेदभाव की शिकायत कर सकते हैं। पहले के नियमों में केवल एससी-एसटी वर्ग के छात्र ही शामिल थे। यूजीसी के नए नियमों के तहत नस्ल,पंथ,क्षेत्र,जेंडर,

दिव्यांगता आदि के आधार पर भी किए जाने वाले भेदभाव के खिलाफ शिकायत की जा सकती है। विरोधियों का तर्क है कि इन आधारों पर तो किसी भी वर्ग के छात्र, कर्मचारी या शिक्षक के खिलाफ भेदभाव हो सकता है। चूंकि यह तर्क निराधार नहीं, इसलिए यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि नए नियम केवल एससी, एसटी, ओबीसी वर्गों के लिए ही नहीं हैं। आखिर नए नियमों में यह प्रविधान शामिल करने में क्या कठिनाई है कि किसी भी वर्ग का छात्र, कर्मचारी या शिक्षक अपने खिलाफ भेदभाव की शिकायत कर सकता है? ऐसे किसी प्रविधान के न होने से यह ध्वनित हो रहा है कि भेदभाव तो केवल सामान्य वर्ग के लोग ही करते हैं। क्या इस धारणा को सही कहा जा सकता है? यूजीसी के नए नियमों को लेकर यह भ्रम भी दूर किया जाए कि समानता अवसर केंद्रों के सदस्य केवल आरक्षित वर्गों के लोग ही होंगे। इस सबके साथ ही सबसे अधिक आवश्यक यह है कि नए नियमों में झूठी शिकायत करने वालों को हतोत्साहित या फिर आवश्यक हो तो दंडित करने के भी उपाय किए जाएं, ताकि ऐसी शिकायतें न की जा सकें। इसकी अनदेखी न की जाए कि ऐसे कई कानून हैं, जिनका दुरुपयोग बढ़ता जा रहा है। इनमें एससी-एसटी उत्पीड़न के साथ दहेज और यौन हिंसा रोधी कानून प्रमुख हैं। यह ठीक नहीं कि समानता कायम करने वाले नियम समानता के ही सिद्धांत की अनदेखी करते दिखें।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

CMYK

जिले में 77 वां गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

- परेड की टुकड़ियों ने किया शानदार मार्चपास्ट... विभागीय झांकिया में दिखी विकास की झलक
- स्कूली बच्चों ने दी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
जिले में 77 वां गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज ग्राउण्ड में आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री तथा गृह एवं जेल,पंचायत एवं ग्रामीण विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग मंत्री श्री विजय शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली। राष्ट्रगान के गायन के पश्चात उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कलेक्टर श्री अजीत वसंत और पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल के साथ परेड का निरीक्षण किया। श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रदेश की जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन किया। इसके बाद तिरंगे के प्रतीक रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गए। तत्पश्चात परेड में शामिल सशस्त्र टुकडियों द्वारा हर्षफायर कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गयी और राष्ट्रपति का जय घोष किया गया। उन्होंने शहीद हुए जवानों के परिजनों को शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया। उन्होंने जिले के उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

परेड की टुकड़ियों द्वारा किया गया शानदार मार्च पास्ट

गणतंत्र दिवस समारोह में परेड इन कमाण्डर रक्षित निरीक्षक श्रीमती तृप्ति सिंह राजपूत, सेकेण्ड परेड इन कमाण्ड उप निरीक्षक सुश्री सुनीता भारद्वाज के नेतृत्व में 14 टुकड़ियों के द्वारा शानदार मार्च पास्ट किया गया। जिसमें जिला पुलिस बल कमाण्डर उप निरीक्षक श्री अश्विनी कुमार दिवान,जिला बल पुलिस बल पुरूष कमाण्डर सहायक उप निरीक्षक श्री संदीप कुमार सिंह,जिला पुलिस बल महिला कमाण्डर उपनिरीक्षक श्री अभिषेक दुबे,नगर सैनिक बल पुरुष कमाण्डर सहायक उप निरीक्षक श्री शौकी लाल राज,नगर सैनिक बल महिला कमाण्डर उपनिरीक्षक श्रीमती रम्भा साहू,नव आरक्षक जिला पुलिस बल कमाण्डर श्री प्रज्ञाभूषण पैकरा, पी.जी. कॉलेज अम्बिकापुर के एनसीसी सीनीयर कमाण्डर सीनीयर अण्डर ऑफिसर श्री राजेश्वर सिंह, एनसीसी सीनीयर कमाण्डर जुनियर अण्डर ऑफिसर सुश्री सरिता पैकरा,एनसीसी कमाण्डर जुनियर अण्डर ऑफिसर हॉली क्रास सुश्री अभिलाषा टोप्पो,मल्टीपरपज स्काउट कमाण्डर श्री सागर प्रसाद राजवाड़े,गर्ल्स स्कूल स्काउट कमाण्डर सुश्री सुनिता,उर्सु लाईन गर्ल्स हायर सेकेण्डरी स्कूल कमाण्डर सुश्री अनुष्का बेक, शासकीय कन्या शिक्षा परिसर कमाण्डर सुश्री प्रिया रानी एक्का एवं अम्बिका मिशन हायर सेकेण्डरी स्कूल बिरनीबेड़ा स्काउट कमाण्डर सुश्री मोनिका मिंज के नेतृत्व में मार्चपास्ट किया गया। इस दौरान दलों ने देशभक्ति धुनों पर कदम से कदम मिलाते हुए आकर्षक मार्चपास्ट का प्रदर्शन किया और मंच के सम्मुख पहुंच राष्ट्रीय ध्वज और मुख्य अतिथि को पूरे जोश और उत्साह से सलामी दी।

विभागीय झांकिया में दिखी विकास की झलक...

गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर विभिन्न विभागों की झांकियों का प्रदर्शन किया गया। जिसमें नगर पालिक निगम द्वारा दूषित जल प्रबंधन,आदिवासी विकास विभाग द्वारा देवगुड़ी,शिक्षा विभाग द्वारा पी.एम.श्री.स्कूल,प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना द्वारा प्रधानमंत्री जनमन सड़क एवं पुलिया निर्माण,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन,कृषि विभाग द्वारा दलहन, तिलहन क्षेत्र विस्तार, रेशम विभाग एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा रेशम ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्त माध्यम, जेल विभाग द्वारा बंधन से मुक्त आकाश की सैर,पंचायत एवं ग्रामीण विकास द्वारा ग्रामीण विकास मॉडल एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जन औषधि एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर विषय पर मनमोहक झांकियां प्रदर्शित की गई।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी हुए सम्मानित...

गणतंत्र दिवस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों एवं कार्यस्थल पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 83 अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर उपमुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

स्कूली बच्चों ने दी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें एकलव्य आवासीय विद्यालय रिखी द्वारा देशभक्ति गीतों पर सामूहिक नृत्य,जवाहर नवोदय विद्यालय द्वारा भारतवर्ष की विभिन्न नृत्य शैलियों पर सामूहिक नृत्य,हॉली क्रास सीनियर सेकेण्डरी (हिन्दी माध्यम) अम्बिकापुर द्वारा झांसी की रानी थीम आधारित सामूहिक नृत्य ,शासकीय कन्या शिक्षा परिसर द्वारा बालिका सशक्तिकरण,ओरिएण्टल पब्लिक स्कूल द्वारा माटी मानुष देश का गौरव,कार्मेल स्कूल द्वारा देश की वीरांगनाएं, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय लुण्ड्रा द्वारा साक्षर सरगुजा पर प्रस्तुति दी गई। इस दौरान फिट काप फिट सिटी जुम्बा व्यायाम की प्रस्तुति के माध्यम से लोगों को फिटनेस के प्रति अवेयर किया गया। इस अवसर पर राज्य गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव,राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह एवं उपाध्यक्ष देवनारायण यादव,नगर पालिक निगम अम्बिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत एवं सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी,सरगुजा संभागा युक्त नरेन्द्र दुग्गा,पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा दीपक झा,कलेक्टर अजीत वसंत,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल,स्थानीय जन प्रतिनिधि,प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी सहित नागरिकगण उपस्थित थे।

सरगुजा संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा ने संभाग आयुक्त कार्यालय में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सरगुजा संभागीय मुख्यालय अम्बिकापुर स्थित कमिश्नर कार्यालय में संभागायुक्त श्री नरेंद्र दुग्गा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारी और कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस अवसर पर सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को निष्ठापूर्वक ढंग से अपने कर्तत्व्य का निर्वहन करने प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर संभागायुक्त कार्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्टर अजीत वसंत ने जिला कलेक्टोरेट परिसर में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टोरेट परिसर में कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा प्रातः 7:30 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर कलेक्टर श्री वसंत सहित जिला अधिकारियों द्वारा माल्यार्पण कर नमन किया गया तथा राष्ट्रगान गाया गया। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री वसंत ने सभी उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आम नागरिक जो अपेक्षाएं लेकर आते हैं उन्हें कैसे पूरा करना है, ये हमें चिंतन करना चाहिए। शासन की योजनाओं में सरगुजा जिले का प्रदर्शन सर्वोत्तम रहेगा इस ओर कार्य करें। राष्ट्र निर्माण में यही हमारा योगदान है। उन्होंने सभी को कर्तव्य के प्रति ईमानदार रहते हुए निष्ठापूर्वक ढंग से कार्य करने प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विनय अग्रवाल,अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक,श्री एएल ध्रुव, सहित कलेक्ट्रेट कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कर्ज और काम ठप्प होने से परेशान ठेकेदार ने की खुदकुशी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
कोरोना के बाद ठेकेदारी का काम प्रभावित होने और बढ़ते कर्ज के दबाव में एक ठेकेदार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के नमनाकला की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बलरामपुर निवासी राजेश सिंह (44) पिछले कुछ वर्षों से नमनाकला में पत्नी बबीता सिंह और दो बेटियों के साथ रह रहे थे। सोमवार रात खाना खाने के बाद वे छोटी बेटी के साथ दूसरे कमरे में सोए थे। मंगलवार सुबह बच्चों को स्कूल भेजने के बाद करीब 8.30 बजे पत्नी ने फोन किया,जवाब नहीं मिला। कमरे में पहुंचने पर राजेश सिंह फांसी पर झूलते मिले। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे,जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार कोरोना से पहले उनके पास आईएस,पीएमजीएसवाई और पीडब्ल्यूडी के कई निर्माण कार्य थे,जो लॉकडाउन के बाद ठप्प हो गए। कर्ज के कारण वे मानसिक तनाव में थे।

ट्रैक्टर की ठोकर से युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
गणतंत्र दिवस के दिन झंडा फहराने जाने की बात कहकर निकले युवक की ट्रैक्टर की ठोकर से मौत हो गई। घटना बतौली थाना क्षेत्र की है। घुटरापारा निवासी नितिन भगत (19) 26 जनवरी की सुबह मोटरसाइकिल से निकला था। शाम को चेंद्रा स्थित महफिल ढाबा के सामने ट्रैक्टर चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। घायल युवक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

झपकी आने से दो ट्रकों की टक्कर,चालक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
झपकी आने से दो ट्रक आपस में टकरा गए। हादसे में एक ट्रक चालक की इलाज के दौरान मौत हो गई। बलौदाबाजार जिले के ग्राम खैरवत निवासी शिव प्रसाद चतुर्वेदी (40) 25 दिसंबर को पुत्र के साथ ट्रक से बिहार जा रहे थे। बिहार के ग्राम डोभी में झपकी आने पर सामने चल रहे ट्रक से टक्कर हो गई। गंभीर रूप से घायल चालक को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां मंगलवार सुबह मौत हो गई।

बाइक से गिरकर भृत्य की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
ध्वजारोहण कार्यक्रम से लौटते समय मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिरने से शिक्षा विभाग में पदस्थ भृत्य की मौत हो गई। गांधीनगर निवासी अविनाश दुबे (39) विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय प्रेमनगर में भृत्य थे। 26 जनवरी को उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़गांव में हादसे के बाद निजी अस्पताल में इलाज के दौरान सोमवार शाम उनकी मौत हो गई।

फर्जी नाम से फेसबुक पर प्रेमजाल...युवतियों से छेड़छाड़ व ठगी रेलवे अफसर बनकर करता रहा धोखाधड़ी,आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
सोशल मीडिया के जरिए पहचान छुपाकर युवतियों को प्रेमजाल में फंसाने का मामला सामने आया है। खुद को हिंदू बताकर फर्जी फेसबुक आईडी बनाने वाले युवक ने होटल में मिलने के बहाने एक युवती से छेड़छाड़ की, जबकि दूसरी युवती से 54 हजार रुपए की ठगी की। आरोपी खुद को बिलासपुर में पदस्थ रेलवे अफसर बताता था,जबकि वह पटना में एक कपड़े की दुकान में काम करता है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार बिहार के पटना निवासी मोहम्मद महफूज ने फेसबुक पर तरुण पैकरा नाम से फर्जी आईडी बनाई थी। वह पैकरा सरनेम वाली युवतियों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजता था। बातचीत बढने पर वह अपना नाम स्वराज पैकरा बताकर शादी और सरकारी नौकरी का झांसा देता था। आरोपी दो दिन पूर्व अंबिकापुर पहुंचा और एक आदिवासी युवती को मिलने बुलाया। शहर के एक होटल में स्वराज पैकरा नाम से फर्जी पहचान देकर कमरा बुक कराया और दो दिन तक रुका। इस दौरान युवती को संदेह हुआ। युवक के बाहर जाने पर बैग की जांच में उसका असली आधार कार्ड मिला।

शिकायत पर गिरफ्तारी

युवती की सूचना पर गांधीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार किया। अपराध दर्ज कर आरोपी को जेल दाखिल किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने अंबिकापुर की एक अन्य युवती,जो माइक्रो फाइनेंस कंपनी में कार्यरत है,से 54 हजार रुपए की ठगी की। थाना प्रभारी प्रवीण द्विवेदी ने युवतियों से सोशल मीडिया पर सतर्क रहने और संदेह होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की है।

राजीव भवन में कांग्रेस ने मनाया 77 वां गणतंत्र दिवस

टीएस सिंहदेव ने फहराया ध्वज वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का हुआ सम्मान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
देश के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में समारोहपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। ध्वजारोहण पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने किया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए 50 से अधिक वरिष्ठ कांग्रेस सदस्यों को शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। कांग्रेस सेवादल की परंपरा के अनुसार सभी औपचारिकताओं के बीच ध्वजारोहण के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का कार्यकर्ताओं के नाम संदेश पढ़कर सुनाया। प्रदेशाध्यक्ष के संदेश में कहा गया कि मोदी की गारंटी के नाम पर सत्ता में आई प्रदेश की भाजपा सरकार बीते दो वर्षों में हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। धान खरीदी में किसानों को वादे के अनुरूप मूल्य नहीं मिल पा रहा है। महतारी वंदन योजना के तहत सवा करोड़ महिलाओं को लाभ देने की घोषणा के बावजूद आधी महिलाओं तक भी राशि नहीं पहुंची है। संदेश में कहा गया कि एक लाख नौकरियों का वादा पूरा नहीं हुआ। बिजली बिल हाफ योजना की समाप्ति, दरों में वृद्धि और स्मार्ट मीटर के कारण आम जनता पर बिजली बिल का दोगुना बोझ पड़ा है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही है।

सभी समाज की महिलाओं ने मिलकर मनाया गणतंत्र दिवस,समभाव महिला मंच का अलंकार ग्रीन्स में आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
सभी समाज की बहनों के साझा मंच समभाव महिला मंच द्वारा 26 जनवरी को अलंकार ग्रीन्स में गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मंच से जुड़ी लगभग 75 महिलाओं ने सहभागिता की। आयोजन में महापौर मंजूसा भगत विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई। गीत प्रस्तुत करने वालों में संतोष पांडे, वंदना दत्ता, मुक्ता गुप्ता, अनुभा डबराल, संगीता मुखर्जी, हेना सेन, जया तिवारी, रिया तिवारी, लिली बसु राय,नीलिमा मिश्रा,मधु चौधरी,नुजहत फातिमा, राखी चक्रवर्ती, लिली कहकशां एवं अतिशि भट्टाचार्य शामिल रहीं। वहीं अंजुम शमीम, नीलिमा गोयल एवं विमला यादव ने देशभक्ति कविता पाठ किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन की जिम्मेदारी किरण गुप्ता, हिना परवीन, संजीता स्वर्णकार एवं आशा गुप्ता ने निभाई। समूह नृत्य भी कार्यक्रम का आकर्षण रहा। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि फरवरी माह में सभी समाज की महिलाओं द्वारा एक दिवसीय आनंद मेला कला केंद्र मैदान में आयोजित किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस पर अंबिकापुर के वाटर पार्क में युवाओं के गुटों में जमकर मारपीट,वीडियो वायरल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
गणतंत्र दिवस के अवसर पर जहां शहर सहित जिलेभर में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए,वहीं बड़ी संख्या में युवा पार्कों और पिकनिक स्पॉट्स की ओर घूमने निकल पड़े। शहर के संजय पार्क,वाटर पार्क सहित अन्य स्थानों पर युवाओं की भारी भीड़ देखने को मिली। इसी दौरान अंबिकापुर के वाटर पार्क में युवक-युवतियों के कई गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिस पर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,वाटर पार्क में मौज-मस्ती के दौरान विवाद बढ़ गया और देखते ही देखते अलग-अलग गुटों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। वायरल वीडियो में एक युवक को कई लोगों द्वारा पीटते हुए देखा जा सकता है, जबकि दूसरे गुट में भी इसी तरह की मारपीट होती नजर आ रही है। इसके अलावा युवतियों के दो गुटों के बीच हुई मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि एक युवक को लेकर दो युवतियों के बीच विवाद हुआ, जो मारपीट में बदल गया। लगातार बढ़ते विवाद की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने किसी तरह मामले को शांत कराया, जिसके बाद स्थिति सामान्य हुई।

शहर में बढ़ रही मारपीट की घटनाएं : अंबिकापुर शहर में हाल के दिनों में चाकूबाजी और मारपीट की घटनाओं में इजाफा देखा जा रहा है। इन घटनाओं में अधिकतर युवा शामिल पाए जा रहे हैं। कई मामलों में युवतियां भी हिंसक झड़पों में शामिल नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया और मोबाइल के दौर में वीडियो वायरल होने के बावजूद युवाओं में किसी तरह का डर दिखाई नहीं दे रहा, जो चिंता का विषय बनता जा रहा है।

CMYK

13 हजार बोरियां कैसे गायब हुईं और फिर कैसे पूरी हो गईं?

शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र : दो जांच,दो नतीजे-सिस्टम कटघरे में

- धान घोटाला या आंकड़ों का खेल? 17 दिन में कैसे भर गई कमी
- पहली जांच में भारी कमी,दूसरी में सब ठीक–किसके दबाव में बदली रिपोर्ट?
- धान खरीदी केंद्र में 'गायब' बोरियां अचानक कैसे लौट आईं?
- 13 हजार बोरियों उड़नछू या नोटों के बोरे भारी पड़ गए?
- धान नहीं बदला, रिपोर्ट बदल गई! घोटाला मिटा नहीं, कागजों में पूरा कर दिया गया
- पहले घोटाला, फिर क्लीन चिट–कौन चला रहा है सिस्टम?
- शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र पर बड़ा सवाल: 13 हजार बोरियों का रहस्य क्या?
- धान खरीदी में बड़ा उलटफेर: कमी गायब, सवाल बरकरार

घोटाले की फाइल पलटी: अब कहा गया धान पूरा है 17 दिन में कैसे खत्म हो गया करोड़ों का घोटाला?

शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र घोटाला अब 'घोटाला' नहीं रहा!

13 हजार बोरियों की कमी दूसरी जांच में कैसे हो गई पूरी? प्रशासन की भूमिका सवालों के घेरे में

ओंकार पाण्डेय

सूरजपुर,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले का शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र एक बार फिर ऐसे गंभीर आरोपों के घेरे में आ गया है, जिसने न केवल धान खरीदी व्यवस्था बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र की निष्पक्षता पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है,यह वही धान खरीदी केंद्र है जो हर वर्ष किसी न किसी विवाद को लेकर चर्चाओं में बना रहता है,कभी धान की कमी,कभी रिकॉर्ड में हेराफेरी,कभी माफिया की दखलअंदाजी और कभी जांच रिपोर्टों के विरोधाभास–यह केंद्र वर्षों से संदेह के घेरे में रहा है,इस वर्ष मामला इसलिए और गंभीर हो गया क्योंकि एक ही धान खरीदी केंद्र की दो जांचों में दो बिल्कुल विपरीत नतीजे सामने आए। जांच निष्पक्ष हुई – घोटाला सामने आएगा, यदि जांच प्रभावित हुई – धान हमेशा पूरा ही मिलेगा, अब देखना यह है कि शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र का सच बाहर आएगा या फिर यह घोटाला भी फाइलों और नोटों के बोरे में दबा दिया जाएगा।

पहली जांच: 7 जनवरी- 13 हजार से अधिक बोरियों की कमी

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार 7 जनवरी 2026 को शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र का भौतिक सत्यापन किया गया,इस जांच में धान केंद्र में रखी धान की बोरियों की गिनती की गई,चट्टों का मिलान स्टॉक रजिस्टर से किया गया,मौके पर भारी विसंगति पाई गई, जांच रिपोर्ट में स्पष्ट उल्लेख किया गया कि 13,000 से अधिक धान की बोरियां मौके पर मौजूद नहीं हैं, यह मात्रा सामान्य नहीं बल्कि सीधे तौर पर करोड़ों रुपये के सरकारी नुकसान,गंभीर आर्थिक अपराध, संगठित घोटाले की श्रेणी में आती है, पहली रिपोर्ट के बाद पूरे जिले में हड़कंप मच गया।

दूसरी जांच: 24-25 जनवरी अब कोई कमी नहीं!

पहली रिपोर्ट के ठीक 17 दिन बाद प्रशासन ने पुनः जांच दल गठित किया, यह टीम 24 जनवरी को शिवप्रसादनगर पहुंची फिर 25 जनवरी तक गिनती प्रक्रिया चली, लेकिन जब रिपोर्ट सामने आई तो नतीजा चौंकाने वाला था, धान की कोई कमी नहीं पाई गई, स्टॉक पूरी मात्रा में मौजूद बताया गया, यानि जो 13 हजार बोरियां 7 जनवरी को गायब थीं, वे 25 जनवरी तक रहस्यमय तरीके से वापस आ गईं, अब सवाल यह नहीं कि धान है या नहीं, सवाल यह है कि सच कौन-सा है?

क्या 17 दिनों में धान अपने आप लौट आया?-

स्थानीय किसानों, ट्रांसपोर्टरों और मजदूरों के अनुसार इस अवधि में किसी बड़े ट्रक मूवमेंट की जानकारी नहीं, किसी बाहरी गोदाम से धान लाने का रिकॉर्ड नहीं, न ही कोई अतिरिक्त खरीदी दर्ज तो फिर 13 हजार बोरियां आखिर आई कहां से? क्या कागजों में गिनती बदल दी गई? आंकड़ों का गणित बैठाया गया? या फिर दबाव में रिपोर्ट पलट दी गई?

गिनती की प्रक्रिया ही संदेह के घेरे में-

सूत्रों के मुताबिक दूसरी जांच के दौरान गिनती पूरी तरह बंद परिसर में हुई, बाहरी लोगों और जनप्रतिनिधियों को प्रवेश नहीं दिया गया,पूरी प्रक्रिया समिति प्रबंधक व केंद्र प्रभारी के नियंत्रण में रही, जबकि शासन की स्पष्ट गाइडलाइन कहती है एक चट्टा = अधिकतम 5000 बोरियां, चट्टों के बीच पर्याप्त दूरी, खुली निगरानी में गिनती, लेकिन शिवप्रसादनगर केंद्र में 20 से 25 हजार बोरियों के विशाल चट्टे बनाए गए, चट्टे आपस में सटाकर लगाए गए, अंदर की बोरियां दिखती तक नहीं, ऐसे में सवाल उठता है क्या बाहर की बोरियां देखकर अंदर की संख्या तय कर दी गई?

धान खरीदी केंद्र के सामने खुलेगी राइस मिल

सूत्रों का दावा है कि उसी जमीन पर अब राइस मिल तैयार की जा रही है, ठीक सामने सरकारी धान खरीदी केंद्र है वहां शासकीय बोरियां भी देखी गई हैं, जबकि खरीदी सत्र समाप्त हो चुका है, फिर नई सरकारी बोरियां वहां क्यों? किस अनुमति से रखी गई? यह संकेत देता है कि भविष्य में इससे भी बड़े स्तर पर धान का खेल चलने वाला है।

7.7 एकड़ जमीन एक साथ ट्रांसफर

राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार निम्न खसरों की जमीन स्थानांतरित हुई: 397, 398/1, 496/2, 497/1, 591/3, 595/1, 595/6, 595/7, 596/1, 596/2, 672/1, 673/2, 677/1, 686, कुल रकबा: लगभग 3.13 हेक्टेयर (करीब 7.7 एकड़ कृषि भूमि) यह कोई मामूली संपत्ति नहीं बल्कि करोड़ों की कृषि भूमि है।

वजन जांच क्यों नहीं हुई?

जांच के दौरान किसी भी बोरी का वजन नहीं तौला गया, यह सत्यापित नहीं किया गया कि बोरी 40 किलो की है या 35 किलो, केवल अनुमानित गणना के आधार पर रिपोर्ट बना दी गई, विशेषज्ञों का कहना है यदि कोई निष्पक्ष अधिकारी होता, तो पूरे चट्टे को दोबारा लगवाकर निगरानी में गिनती कराता, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

एक विभाग मानता है कमी, दूसरा नकारता है...

मामले में प्रशासनिक विरोधाभास भी साफ दिखता है राजस्व विभाग अब भी धान की कमी मान रहा है, खाद्य विभाग कमी से पूरी तरह इनकार कर रहा है, दोनों विभागों के आंकड़े अलग-अलग हैं, यानी घोटाला खत्म नहीं हुआ, उसे सिर्फ आंकड़ों में उलझा दिया गया।

तीन बैंकों के कर्ज के बावजूद रजिस्ट्री!

सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि जरीफ उल्ला की इस जमीन पर पहले से एचडीएफसी बैंक, जिला सहकारी बैंक,छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक तीनों का ऋण दर्ज था,प्रश्न यह है कि बिना ऋण मुक्त प्रमाण पत्र,बिना बैंक अनुमति,बिना बंधक हटाए,रजिस्ट्री आखिर किस आधार पर हुई? यह सीधे तौर पर बैंक धोखाधड़ी का मामला बनता है।

धान बोया जरीफ ने,बेचा नए मालिकों ने

मामले में एक और गंभीर विसंगति सामने आई है फसल की बुआई अगस्त 2025,जमीन की बिक्री नवंबर 2025 यानि जिस किसान ने फसल बोई, वह जमीन बेच चुका था,लेकिन फार्मर पोर्टल में दर्ज है कि 'हाँ (डीसीएस द्वारा प्राप्त)' अर्थात फसल का भौतिक सत्यापन हुआ,धान खरीदी स्वीकृत हुई और 205 क्विंटल धान शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र में नए भू-स्वामियों के खाते में खरीदा गया, जबकि नियम कहता है कि फसल बेचने का अधिकार उसी किसान को होता है जिसने फसल बोई हो, यह नियम आम किसानों पर सख्ती से लागू होता है, लेकिन इस मामले में पूरी व्यवस्था मौन दिखाई दी।

अब निगाहें कलेक्टर पर पूरा मामला अब जिला प्रशासन की साख से जुड़ चुका है, जनता जानना चाहती है...

- 13 हजार बोरियां आखिर गई कहां?
- कौन-सी जांच सही है?
- क्या बाहरी स्वतंत्र टीम बनेगी?
- क्या प्रवर्तन एजेंसियां जांच करेंगी? अब सबकी निगाहें सूरजपुर के ईमानदार कलेक्टर पर टिकी हैं।

क्या नोटों के बंडल ने बदल दिया नतीजा?

सूत्रों के अनुसार दूसरी जांच अचानक इसलिए बैठाई गई क्योंकि 'ऊपर तक दबाव' बनाया गया,चर्चा है कि नोटों के बंडल का रास्ता तय हुआ, उसी दबाव में दोबारा टीम बनाई गई, पहली रिपोर्ट को अप्रासंगिक कर दिया गया, स्थानीय लोगों की जुबान पर एक ही वाक्य है धान की बोरियों से ज्यादा भारी नोटों का वजन पड़ गया।

धान माफिया का वर्षों पुराना कब्जा

शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र को लेकर लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं कि केंद्र का संचालन वास्तविक रूप से एक प्रभावशाली धान माफिया करता है,प्रभारी और समिति प्रबंधक सिर्फ आदेश पालनकर्ता हैं,खरीदी से लेकर भंडारण तक सब कुछ बाहरी निर्देशों पर चलता है, इसी वजह से हर साल कार्रवाई से पहले मामला दब जाता है,फाइलें घूमती रहती हैं दोषी कभी सामने नहीं आता।

प्रभारी के पास करोड़ों की जमीन का सवाल

मामले में अब एक और गंभीर तथ्य सामने आ रहा है, सूत्रों के अनुसार धान खरीदी केंद्र प्रभारी साधना कुशवाहा,कथित धान माफिया के साथ मिलकर, लगभग 7.7 एकड़ जमीन की साझेदार बनी हैं यह जमीन एक ऐसे व्यक्ति से खरीदी गई, जो न्यायालय में धोखाधड़ी मामलों का आरोपी है,जिसकी जमीन बैंक ऋण में बंधक बताई जाती है,फिर सवाल उठता है बंधक जमीन की रजिस्ट्री कैसे हुई? बैंक की अनुमति किसने दी? इतनी बड़ी राशि आई कहां से?

प्रशासन मौन क्यों?

सबसे बड़ा प्रश्न यही है 13 हजार क्विंटल की कमी पहले ही सामने आ चुकी,अब अचानक खरीदी विस्फोटक गति से बढ़ी,नियमों के विरुद्ध धान का चटा भरे जा रहे हैं,किसान मौके पर मौजूद नहीं फिर भी कोई विशेष जांच नहीं,कोई निलंबन नहीं,कोई एफआईआर नहीं क्या प्रशासन सिर्फ आंकड़े देख रहा है या जानबूझकर आंखें मूंदे बैठा है?

यह केवल एक खरीदी केंद्र की कहानी नहीं

यह पूरी धान खरीदी व्यवस्था पर उठता गंभीर सवाल है,यदि आज शिवप्रसादनगर को नहीं रोका गया,तो कल यही मॉडल पूरे जिले में दोहराया जाएगा,यह रिपोर्ट जनहित में उपलब्ध दस्तावेजों, स्थानीय तथ्यों व सूत्रों के आधार पर तैयार की गई है, प्रशासनिक पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी समान रूप से प्रकाशित किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस पर उत्कृष्ट पुलिस सेवा के लिए निरीक्षक विमलेश दुबे हुए सम्मानित

-संवाददाता-

सूरजपुर,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर सूरजपुर जिले में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह के दौरान सूरजपुर सिटी कोतवाली के थाना प्रभारी निरीक्षक विमलेश दुबे को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया, निरीक्षक विमलेश दुबे को यह सम्मान कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने,अपराध नियंत्रण,अपराध निकाल,प्रतिबंधात्मक कार्रवाई एवं लघु अधिनियम के अंतर्गत प्रभावी कार्यवाही में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया, यह सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि सरगुजा लोकसभा सांसद श्री चिंतामणि महाराज के करकमलों से प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करते समय उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनके कार्यों की सराहना की।

अपराध नियंत्रण में रही सख्त और प्रभावी भूमिका

थाना प्रभारी निरीक्षक विमलेश दुबे के नेतृत्व में सिटी कोतवाली क्षेत्र में बीते समय में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण देखने को मिला, अवैध शराब,जुआ,सट्टा,नशीले पदार्थों की तस्करी सहित विभिन्न आपराधिक गतिविधियों के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाया गया। इसके साथ ही आपराधिक प्रवृति के व्यक्तियों पर समय-समय पर प्रतिबंधात्मक धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई कर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई गई।

लघु अधिनियम के तहत लगातार कार्रवाई

शहर में यातायात व्यवस्था,सार्वजनिक स्थलों पर हुड़दंग,शांति भंग करने वालों तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध लघु अधिनियम की कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अनुशासन और कानून का कड़ा संदेश दिया। इन प्रयासों के चलते नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई।

जनसंपर्क और त्वरित कार्रवाई बनी पहचान

निरीक्षक दुबे की कार्यशैली में त्वरित कार्रवाई,संवेदनशीलता और जनसंपर्क को विशेष महत्व दिया गया,शिकायत मिलते ही मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करना तथा पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना उनकी प्रमुख पहचान रही है।

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने की प्रशंसा

मुख्य अतिथि सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस विभाग समाज की रीढ़ है। निरीक्षक विमलेश दुबे जैसे कर्मठ अधिकारी कानून व्यवस्था को मजबूत बनाकर आम नागरिकों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हैं,उन्होंने पुलिस अधिकारियों को इसी तरह निष्ठा,ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

समारोह में रहे अनेक गणमान्य उपस्थित

इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी,पुलिस विभाग के उच्च अधिकारी,जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे, कार्यक्रम के अंत में सभी सम्मानित अधिकारियों को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

पुलिस विभाग में हर्ष का माहौल-

निरीक्षक विमलेश दुबे को मिले इस सम्मान से पुलिस विभाग में हर्ष का वातावरण रहा। सहयोगी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बूंदी-जलेबी गायब, स्नेकर हाज़िर: राष्ट्रीय पर्व बना विदेशी ब्रांड का मंच

वंदे मातरम् की गूंज,लेकिन मिठाई में अंग्रेजी सोच!

राष्ट्रीय पर्व पर देशभक्ति भाषण, बच्चों के हाथ में विदेशी चॉकलेट!

भारत माता मंच पर, थाली में इंग्लिश मिठाई-सेंट जोसेफ स्कूल फिर विवादों में

तिरंगे के नीचे विदेशी स्वाद! सेंट जोसेफ स्कूल की अनोखी देशभक्ति

राष्ट्रीय पर्व पर भारतीय संस्कार हाशिये पर,चॉकलेट बनी पहचान

देशभक्ति मंच तक सीमित,थाली में विदेशी ब्रांड का कब्ज़ा

झंडा भारत का,मिठाई विदेशी...

कैसी शिक्षा दे रहा स्कूल?

सवाल जो अब भी जवाब मांगते हैं...

क्या राष्ट्रीय पर्व केवल औपचारिकता बनकर रह गया है?

क्या विदेशी चॉकलेट भारतीय मिठाइयों से ज्यादा सम्मान की हकदार हो गई है?

क्या आने वाली पीढ़ी को भारतीय परंपरा से दूर करने का यह मौन प्रयास नहीं है?

जब देश आज 'वोकल फॉर लोकल' की बात कर रहा है,तब बच्चों के हाथों में विदेशी ब्रांड थमाना किस सोच का प्रतीक है?

5 रूपए की चॉकलेट में सिमट गई राष्ट्रीय भावना!

राष्ट्रीय पर्व पर परंपरा से खिलवाड़: सेंट जोसेफ स्कूल ने फिर बांटी विदेशी चॉकलेट

जनदर्शन से लेकर जनआक्रोश तक,फिर भी नहीं बदली स्कूल की सोच

बूंदी-जलेबी की जगह चॉकलेट,सवालों के घेरे में स्कूल प्रबंधन

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। भारत का राष्ट्रीय पर्व केवल एक अवकाश नहीं, बल्कि देश की आत्मा,परंपरा,संस्कार और बलिदान का प्रतीक होता है, 15 अगस्त और 26 जनवरी ऐसे अवसर हैं जब पूरा देश एक सुर में 'वंदे मातरम' और 'जन गण मन' के साथ अपनी राष्ट्रीय चेतना को जीवंत करता है, स्कूलों में इन पर्वों का महत्व और भी अधिक होता है,क्योंकि यहीं से बच्चों के मन में देशभक्ति, संस्कृति और राष्ट्रीय मूल्यों की नींव रखी जाती है,लेकिन कोरिया जिले का सेंट जोसेफ स्कूल इन मूल भावनाओं से हर वर्ष उलट दिशा में चलता दिखाई देता है।

राष्ट्रीय पर्व केवल झंडा फहराने का दिन नहीं

बल्कि राष्ट्रीय आत्मसम्मान को जीने का अवसर होता है,अब देखना यह होगा कि क्या विद्यालय प्रबंधन आत्ममंथन करेगा,क्या प्रशासन संज्ञान लेगा या फिर अगले राष्ट्रीय पर्व पर भी भारत माता के जयकारों के बीच बच्चों को फिर वही अंग्रेजी चॉकलेट थमा दी जाएगी।

मंच पर भारत माता,थाली में विदेशी चॉकलेट

विद्यालय परिसर में भारत माता की तस्वीर सजी होती है,राष्ट्रध्वज फहराया जाता है,देशभक्ति गीत गूंजते हैं,संविधान और स्वतंत्रता सेनानियों की बातें होती हैं,लेकिन जैसे ही मिष्ठान वितरण की बारी आती है,भारतीय परंपरा अचानक स्कूल गेट के बाहर छोड़ दी जाती है,यहां बूंदी नहीं,जलेबी नहीं, लड्डू नहीं,बल्कि बच्चों के हाथों में थमा दी जाती है,विदेशी कंपनी की अंग्रेजी चॉकलेट।

पिछली शिकायतों से भी नहीं लिया सबक

यह कोई पहली बार नहीं है,पिछले वर्ष भी यही मामला उठा था,जब राष्ट्रीय पर्व पर मिठाई के नाम पर चॉकलेट बांटे जाने को लेकर शिकायत कलेक्टर जनदर्शन तक पहुंची थी,इस विषय पर समाचार प्रकाशित हुए, जनभावनाएं सामने आई और उम्मीद जगी कि शायद अब विद्यालय प्रबंधन अपनी सोच बदलेगा,लेकिन न व्यवस्था बदली,न परंपरा बदली, न सोच बदली,इस वर्ष सिर्फ इतना परिवर्तन किया गया कि पहले 50 पैसे और 1 रूपए की चॉकलेट थी,अब उसे अपग्रेड कर 5 रूपए की स्नेकर चॉकलेट कर दिया गया,यानी देशभक्ति का मूल्य बढ़ा नहीं,बस चॉकलेट की कीमत बढ़ा दी गई।

क्या चॉकलेट बन गई नई 'राष्ट्रीय मिठाई'?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या अब भारत के राष्ट्रीय पर्वों की पहचान विदेशी ब्रांड तय करेंगे? देश में भले ही आधिकारिक रूप से कोई 'राष्ट्रीयमिठाई' घोषित न हुई हो,लेकिन जलेबी को वर्षों से राष्ट्रीय मिठाई के रूप में स्वीकार किया जाता रहा है, यह बात आम जनमानस, सांस्कृतिक परंपराएं,यहां तक कि गूगल और विकिपीडिया भी स्वीकार करते हैं, इसके अलावा बूंदी दशकों से राष्ट्रीय पर्वों से जुड़ी रही है, जिसे देशभर के सरकारी कार्यालयों,स्कूलों, पुलिस लाइन और सार्वजनिक संस्थानों में आज भी वितरित किया जाता है, फिर सवाल उठता है जब पूरा देश बूंदी और जलेबी से राष्ट्रीय पर्व मनाता है,तो सेंट जोसेफ स्कूल इससे खुद को अलग क्यों समझता है?

देशभक्ति भाषणों तक ही सीमित क्यों?

विद्यालय में बच्चों को संस्कार की बातें पढ़ाई जाती हैं,भारतीय संस्कृति का पाठ पढ़ाया जाता है, नैतिक शिक्षा दी जाती है लेकिन व्यवहार में राष्ट्रीय पर्व पर विदेशी उत्पाद को प्राथमिकता देना किस शिक्षा का उदाहरण है? देशभक्ति केवल भाषणों से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे प्रतीकों और परंपराओं से बनती है,अगर मिठाई जैसी छोटी बात में भी भारतीय पहचान से परहेज किया जाएगा, तो बच्चों के मन में राष्टीय गौरव कैसे विकसित होगा?

परंपरा या हठधर्मिता?

अब यह परंपरा कम और हठधर्मिता अधिक प्रतीत होने लगी है, जब शिकायतें हो चुकी हैं, जनभावना स्पष्ट है,प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, फिर भी वही सिलसिला दोहराया जाना यह दर्शाता है कि विद्यालय प्रबंधन न तो जनभावनाओं को महत्व देता है, और न ही राष्टीय प्रतीकों के प्रति संवेदनशील दिखाई देता है।

प्रशासन की चुप्पी भी सवालों के घेरे में

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मामला जनदर्शन तक पहुंच चुका है,समाचार प्रकाशित हो चुके हैं, फिर भी कोई दिशा-निर्देश जारी नहीं हुए,प्रशासन की यह चुप्पी भी अब अप्रत्याशित नहीं,बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण प्रतीत हो रही है।

अवैध रेत परिवहन करते 02 ट्रैक्टर जब्त

-संवाददाता-

बलरामपुर,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। कलेक्टर राजेन्द्र कटारा ने जिले में खनिज के अवैध उत्खनन को रोकने के लिए उत्खनन करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं खनिज विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। जिसके तहत् राजस्व टीम द्वारा अवैध उत्खनन करने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जा रही है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वाड्रफनगर श्री नीरनिधि नन्देहा के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा अवैध उत्खनन व परिवहन करने वालों पर कार्यवाही की गई। टीम के द्वारा ग्राम कैलाशपुर में मोरान नदी में रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते पाए जाने पर 02 ट्रैक्टर वाहन को जब्त कर चौकी वाड्रफनगर को सुपुर्द किया गया।

आंगनबाड़ी केंद्र में गणतंत्र दिवस के बाद भी फहराता रहा तिरंगा,ग्रामीणों ने जताई आपत्ति

-संवाददाता-

खड़गवां,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। पोड़ी बचरा क्षेत्र के ग्राम पंचायत जिल्दा स्थित पथरापारा आंगनबाड़ी केंद्र में गणतंत्र दिवस पर फहराया गया राष्ट्रीय ध्वज निर्धारित समय पर नहीं उतारे जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि 26 जनवरी की संध्या से पूर्व तिरंगा नहीं उतारा गया और 27 जनवरी की सुबह करीब 8.30 बजे तक आंगनबाड़ी परिसर में झंडा लहराता देखा गया।

स्थानीय लोगों ने जब सुबह तिरंगा लहराता देखा तो उन्होंने इस पर आपत्ति जताई और इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर आंगनबाड़ी सहायिका मौके पर पहुंची और राष्ट्रीय ध्वज को उतारा। वहीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पति को भी फोन के माध्यम से सूचना दी गई, जिस पर उन्होंने बताया कि सहायिका को झंडा उतारने के लिए कहा गया था, यदि नहीं उतारा गया है तो यह गलत है और वह तत्काल किसी को भेज रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति इस प्रकार का गैरजिम्मेदार रवैया बेहद निंदनीय है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जब वे राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति लापरवाही बरत रहे हैं तो आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों के प्रति उनकी जिम्मेदारी का अंदाजा लगाया जा सकता है।

ग्रामीणों ने मांग की है कि इस मामले में संबंधित विभाग द्वारा दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ बर्खास्तगी की प्रक्रिया शुरू की जाए।

पुरानी लेदरी में एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ शुभारंभ

-संवाददाता-

एमसीबी,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। नशा मुक्त भारत के लिए युवा थीम पर शासकीय प्राथमिक शाला पुरानी लेदरी में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खोंगापानी के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ आज उत्साह और गरिमामय वातावरण में किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि नगर पंचायत नई लेदरी के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा तथा विशिष्ट अतिथि शाला प्रबंधन एवं विकास समिति खोंगापानी के अध्यक्ष संतोष कुमार राय के करकमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती रानी वियार, विकास दीवान, विमल जैन, राकेश मंडल, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खोंगापानी की प्राचार्य श्रीमती सुषमा टोप्पो, वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती मधु कश्यप, शैक्षिक समन्वयक नई लेदरी डॉ अमूल्य चंद्र झा, शैक्षिक समन्वयक खोंगापानी गुरु प्रसाद चौधरी, प्रधान पाठक शासकीय माध्यमिक शाला खोंगापानी राम साहू, व्याख्याता हाई स्कूल नई लेदरी कलीराम श्रीवास, शासकीय प्राथमिक शाला पुरानी लेदरी के प्रधान पाठक, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

194 बोरी पुराना धान जप्त

-संवाददाता-

बलरामपुर,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। जिले में धान के अवैध परिवहन, संग्रहण,उपार्जन केन्द्रों में पुराने व अवैध धान के बिक्री के प्रयास तथा बिचौलिये एवं कोचियों के द्वारा अवैध रूप से धान विक्रय पर कड़ी निगरानी की जा रही है।

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशानुसार उपार्जन केंद्रों में खरीदी प्रक्रिया में अनियमितता तथा धान के अवैध विक्रय के प्रयास पर सख्ती से कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में विकासखण्ड राजपुर अंतर्गत धान खरीदी केन्द्र जिगडी में 2 कृषकों द्वारा 194 बोरी पुराना धान विक्रय हेतु लाया गया था। जिसे तहसीलदार श्रीमती कावेरी मुखर्जी द्वारा जांच कर जप्ती की कार्यवाही की गई।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0/....../अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक जितेन्द्र सिंह आ0 मुनेश्वर सिंह उम्र 68 वर्ष जाति राजपूत निवासी मल्होत्रा गली केदारपुर, अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर - 03 मोहल्ला केदारपुर गुदड़ी रोड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 1230/2 रकबा 0. 05 हे0 भूमि में से 2.5 डिसमिल भूमि को अनावेदक/केता आशीष कुमार वर्मा आ0 गुप्तेश्वर प्रसाद वर्मा जाति कायस्थ निवासी वार्ड नम्बर-28 गणेश दादा गली केदारपुर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 13/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक:- 20/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0/....../अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक उमेश कुमार सोनी आ0 स्व0 जगरनाथ प्रसाद सोनी, दुरपती सोनी पति स्व0 दिनेश सोनी दोनो निवासी दर्रीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर - 10 मोहल्ला दर्रीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3624/3 रकबा 0.10 एकड़ भूमि में से अपने हिस्से की भूमि रकबा 0.05 एकड़ भूमि को अनावेदक/ क्रेता श्रीमती आशा सोनी पति श्री कमलेश प्रसाद सोनी निवासी दर्रीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है ।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 13/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक:- 20/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार दरिमा जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0/....../अ-6/2025-26

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विश्वनाथ आ0 गेदू निवासी ग्राम कर्रा थाना व तहसील दरिमा जिला सरगुजा द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम कर्रा तहसील दरिमा स्थित भूमि खसरा न0 7/33, 7/35, 821/2, 822/1, 1619/4, 1635 रकबा क्रमशः 0.3640, 0.4290, 0. 1130, 0.4470, 0.0200, 0.0730 हे. कुल प्लाट 6 कुल रकबा 1.4460 हे. भूमि भाइस आ. टेहड़ा के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज होकर स्थित है। वादभूमि के भूमिस्वामी की मृत्यु दिनांक 02.11.2018 हो चुकी है। वादभूमि से संबंध में भूमिस्वामी के द्वारा दिनांक 09.08.2004 को आवेदक के पक्ष में वसीयतनामा का निष्पादन किया गया है। जिसके तहत् आवेदक के द्वारा वसीयतनामा के आधार पर वसीयतकर्ता का नाम विलोपित कर वसीयतग्रहिता आवेदक का नाम नामांतरण दर्ज करने हेतु आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 30/01/2026 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/01/2026. को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया ।

सील — तहसीलदार दरिमा,सरगुजा,छ0ग0

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव,जिला-सूरजपुर

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2025-26

ईश्तहार

आम जनता ग्राम बुन्दिया को सूचित किया जाता है कि आवेदक बिहारीलाल राजवाडे आ0 स्व0 मनेद्र राम जाति रजवार निवासी ग्राम बुन्दिया तहसील भटगांव जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने पिता मनेन्द्र राम आ0 उसन का दिनांक 12/04/2012 को ग्राम बुन्दिया मे मृत्यु होना बताकर मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत मय आवेदन, शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, ग्राम पंचायत पंचनामा, आधार कार्ड की छाया प्रति सहित स्थानीय रजिस्ट्रार (जन्म / मृत्यु) का रजिस्ट्रीकरण (मध्यप्रदेश) निगम 1969 के नियम 10 (13) के अन्तर्गत निर्देश देने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः मृतक मनेन्द्र राम आ0 उसन जाति रजवार 12/04/2012 का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति या संस्था कोई आपत्ति हो तो दिनांक 30/01/2026 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय मे अपना अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा । तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया ।

सील — तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव,जिला-सूरजपुर

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2025-26

ईश्तहार

आम जनता ग्राम शिवारीपारा (भटगांव) को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवरतन पिता स्व. समयलाल जाति कवंर निवासी ग्राम शिवारीपारा तहसील भटगांव जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने दादां का मृत्यु दिनांक 20/11/2019 को ग्राम शिवारीपारा (भटगांव) मे मृत्यु होना बताकर मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत मय आवेदन, शपथ पत्र, वार्ड का पंचनामा, आधार कार्ड, अनुपलब्धता प्रमाण की छाया प्रति सहित स्थानीय रजिस्ट्रार (जन्म/मृत्यु) का रजिस्ट्रीकरण (मध्यप्रदेश) निगम 1969 के नियम 10 (13) के अन्तर्गत निर्देश देने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति या संस्था कोई आपत्ति हो तो दिनांक 28/01/2026 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय मे अपना अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है । नियत तिथि बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा । तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सील — तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव,जिला-सूरजपुर

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2025-26

ईश्तहार

आम जनता ग्राम शिवारीपारा (भटगांव) को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवरतन पिता स्व. समयलाल जाति कवंर निवासी ग्राम शिवारीपारा तहसील भटगांव जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने दादी की मृत्यु दिनांक 15/10/2012 को ग्राम शिवारीपारा (भटगांव) मे मृत्यु होना बताकर मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत मय आवेदन, शपथ पत्र, वार्ड का पंचनामा, आधार कार्ड, अनुपलब्धता प्रमाण की छाया प्रति सहित स्थानीय रजिस्ट्रार (जन्म / मृत्यु) का रजिस्ट्रीकरण (मध्यप्रदेश) निगम 1969 के नियम 10 (13) के अन्तर्गत निर्देश देने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति या संस्था कोई आपत्ति हो तो दिनांक 28/01/2026 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय मे अपना अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि बाद प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा । तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया ।

सील — तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव,जिला-सूरजपुर

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2025-26

ईश्तहार

आम जनता ग्राम शिवारीपारा (भटगांव) को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामपति आ0 स्व.बबन जाति कवंर निवासी ग्राम शिवारीपारा तहसील भटगांव जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा स्वयं का जन्म दिनांक 05/12/1972 को ग्राम बिसाही मे जन्म होना बताकर जन्म प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत मय आवेदन, शपथ पत्र, वार्ड का पंचनामा, आधार कार्ड, अनुपलब्धता प्रमाण की छाया प्रति सहित स्थानीय रजिस्ट्रार (जन्म / मृत्यु) का रजिस्ट्रीकरण (मध्यप्रदेश) निगम 1969 के नियम 10 (13) के अन्तर्गत निर्देश देने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है ।

उक्त मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति या संस्था कोई आपत्ति हो तो दिनांक 28/01/2026 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय मे अपना अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है । नियत तिथि बाद प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा । तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

आज दिनांक 13/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया ।

सील — तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव

कलेक्टर कार्यालय में कुर्सी नहीं,सोच बेनकाब हुई,शिष्टाचार पर सवाल उठा तो भड़का अहंकार,मर्यादा की याद दिलाई गई, तो नेता बनने का दावा आहत हो गया

पैर पर पैर नहीं, संस्कार पर संकट है,
सत्ता की नज़दीकी या संस्कारों से दूरी?

पद नहीं,संस्कार बड़ा होता हैः जब अहंकार मर्यादा पर भारी पड़ने लगे

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर, 27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। समाज केवल कानून से नहीं चलता, वह संस्कारों से चलता है, संस्कार वही होते हैं जो यह सिखाते हैं कि कहाँ कैसे बैठना है,किससे कैसे बोलना है और किस स्थान की क्या मर्यादा है, यही संस्कार मनुष्य को भीड़ से अलग पहचान देते हैं,एक समय था जब परिवार,विद्यालय और समाज–तीनों मिलकर व्यक्ति के भीतर यह चेतना पैदा करते थे कि हर स्थान समान नहीं होता,घर,विद्यालय,सार्वजनिक मंच,न्यायालय और प्रशासनिक कार्यालय–हर जगह का व्यवहार अलग होता है,यही अंतर सभ्यता और असभ्यता के बीच की रेखा खींचता है,परंतु आज का दौर ठीक इसके विपरीत खड़ा दिखाई देता है,आज यदि कोई शिष्टाचार की बात करता है, मर्यादा की याद दिलाता है या सार्वजनिक व्यवहार पर प्रश्न उठाता है,तो उसे सुधार की सलाह नहीं बल्कि व्यक्तिगत दुश्मनी समझ लिया जाता है, ऐसा प्रतीत होता है मानो जिसने कमी बता दी,उसने बहुत बड़ा अपराध कर दिया हो, यह प्रकशित खबर न किसी व्यक्ति के खिलाफ है,न किसी राजनीतिक दल के विरुद्ध,यह बहस केवल उस मानसिकता के खिलाफ है,जहाँ कुर्सी मर्यादा से बड़ी हो जाए,जहाँ आलोचना को अपमान समझ लिया जाए,और जहाँ पद से पहले अहंकार आ जाए,शिष्टाचार कमजोरी नहीं, लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है,जो इसे समझता है,वही वास्तव में बड़ा नेता बनता है।

Rahul Khas
और फोटो अपने पेपर मे ये वाला लगवाना चाहिए अब जनता मुझे कैसे पहचानेगी की ये राहुल खटीक है

यह तस्वीर उस युवा नेता के अनुरोध पर प्रकाशित की जा रही है, जिनके लिए प्रशासनिक मर्यादा के सामने पैर पर पैर रखकर बैठना भी सामान्य आचरण माना जाता है।'

नेता कहलाना आसान, नेतृत्व निभाना कठिन, शिष्टाचार पर सवाल उठे तो बौखलाहट क्यों?

Rahul Khas is with Ravi Singh in Baikunthpur, Koriya.
2d

"किसी मीटिंग में कुर्सी पर बैठना शिष्टाचार का उल्लंघन नहीं होता, शिष्टाचार व्यक्ति के व्यवहार, शब्दों और उद्देश्य से तय होता है।

राहुल खस एक सजग, शिक्षित और जिम्मेदार युवा कार्यकर्ता हैं। उनका उद्देश्य 'जागृति' जैसी सामाजिक वेब सीरीज़ के माध्यम से जनहित के मुद्दों को आगे बढ़ाना है — न कि किसी प्रकार का दिखावा या दबाव बनाना।

कलेक्टर मैडम और प्रशासन के प्रति उनका सम्मान पूरी तरह स्पष्ट है। इसलिए बैठने जैसी बातों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करना न्यायसंगत नहीं है।"
#news #cg #LikeFollowShare

लेख एवं विचार अभिव्यक्ति | अम्बिकापुर, शुक्रवार 23 जनवरी 2026 | 2

शिष्टाचार बनाम दिखावाः क्या सत्ता की निकटता मर्यादा से ऊपर हो गई है?

शासकीय कार्यालयों से लेकर राजनीतिक मंचों तक बदलता व्यवहार चिंता का विषय...

Rahul Khas is with Lal Das Mahant and 19 others.
2d

(दल्ला और भ्रष्ट पत्रकार)
शिष्टाचार और मर्यादा की बात आप के मुँह और आप के पत्रकारिता से दूर - दूर तक लेना देना नहीं है. और सरकारी कार्यालय के अधिकारी हो या राजनितिक दल के नेता आप सब से अवैध वसूली करते हो जो की बहुत ही शर्म की बात है. और मैं जानता हु की आप को मेरे कुछ शुभचिंतको और मेरे शहर के कुछ बुद्धिजिवीओ ने बोल के छपवाया है. क्या गलत है. इसमें पैर के ऊपर पैर रखना गलत बात है या वीडियो बनाना गलत बात है. मैने बुके दिया था मैम को आप ने उसके बारे मे नहीं छापा. और आप क्या चाहते है वहां जाके मैं ज़मीन मे बैठता या कुर्सी मे. और मैंने वेब सीरीज के लान्चिंग के लिए गया था. लेकीन अब लगता है आप के बारे मे एक वेब सीरीज बनवा दू. और रही बात बड़े नेताओं की स्वागत की तो मैं अपने हिसाब से चलता हु और अपनी पार्टी के हिसाब से तीसरे पर्सन के हिसाब से नहीं समझे और मैं भारतीय जनता पार्टी का एक कार्यकर्त्ता हु. यही मेरा सब से बड़ा पद है. मैंने आज मान लिया कुछ तो क्वालिटी है 27 वर्ष के लड़के मे बड़े - बड़े लोगो को भी षड्यंत्र करना पड़ता है और पेपर मे छाप ना पड़ता है और क्या फर्क पड़ता है साहब नाम ही तो बनाना है अब आप मेरे बारे मे कुछ गलत छापे या अच्छा नाम तो मेरा, दोनों मे हो रहा है. और रही बात मर्यादा और शिष्टाचार की तो आप के जैसे मैं किसी भी अधिकारी को (RTI) लगाकर ब्लेकमेल करके अवैध पैसा नहीं ठगता या किसी भी अधिकारी के कार्यलय चाहे वह एसीएल विभाग हो या वन विभाग हो या पीएचई विभाग हो मैं आप के टाइप हाथ जोड़कड़ खड़ा नहीं रहता हु. बस यही फर्क है आप के और मेरे मे और नेतागिरी शौक के लिए करता हु फेशन है मेरा. मैं नेतागिरी रोजी रोटी या तलवे चाट ने के लिए नहीं करता और रही बात सम्मान की तो आप हमें सम्मान देंगे तो हम आप को सम्मान देंगे, वरना आप कोई भी तोप चंद हो हम आप को नहीं पहचानते. और जो मैंने बोला है आप इसे भी पेपर मे छप वा देना राहुल खटीक आप से डरता नहीं है जो गलत करे वो डरे और आप रोज छापो मेरे बारे मे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्यू की आप मुझे फ्री मे हाई लाइट कर रहे हो मुझे खुशी है इस बात की और हा ऐसे मामले और भी आते रहेंगे आप तो अपने पेपर मे मेरे लिए जगह बना ही लो, क्यू की मैं किसी के दबाव मे काम नहीं करूँगा और प्रेम मे मुझ से आप जीत सकते हो, दबाव मे तो आप से 100 गुना बड़े पत्रकार से भी मैं दबाव मे नहीं आऊंगा, क्युकी की मैं सही हु. इस जनम मे तो आप भूल जाओ और जो नाम मैंने नादानी मे कमा ली है वो नाम आप पूरी जवानी मे नहीं कमा पाओगे रवि सिंह जी . और सब से पहले अपनी पेपर की स्क्रीप्ट अच्छे से लिखिए जो रे. ते लिखें है. भाषा का चयन खुद के पेपर मे नहीं है और मुझे मर्यादा और शिष्टाचार का पाठ पढ़ा रहे है. रवि जी. लिखना आप जानते हो तो लिखना मैं भी जानता हु बस फर्क ये है की आप भ्रष्ट पत्रकार हो और मैं निडर राजनेता. आशा करता हु की मेरी बात आप को बहुत ज्यादा बुरी लगी हो गी और मेरे शुभचिंतको को भी बुरी लगी होंगी और लगना भी चाहिए. क्यूकी मेरे शुभचिंतको का कोई भविष्य नहीं है .उसी तरह आप के और आप के पेपर का भी कोई भविष्य नहीं है

जितना आप मेरे बारे मे लिखें हो उतना मैं भी आप के बारे मे लिखा हु
और रिपीट मे जवाब मैं जरूर देता हु. क्यूकी मैं दूसरे टाइप का नेता हु और नेता आप के लिए हु. जनता के लिए उनका सेवक हु.

और जितनी जानकारी आप मेरे बारे मे रखते है उस से कई गुना ज्यादा मैं आप के बारे मे रखता हु की कितना लिफाफा मे कोन सा अधिकारी आप को महीने के किस दिन देता है. मैं नहीं चाहता हु की आप की मैं पोल पट्टी खोलू. आप अपनी पेन की स्याही मे कंट्रोल रखिये मैं अपने जुबान पर कंट्रोल रखूँगा

. Ravi Singh धन्यवाद
#LikeFollowShare #cg #news #koriya

क्या है पूरा मामला ?

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ,जिसमें एक 27 वर्षीय युवक जो स्वयं को भारतीय जनता पार्टी का नेता बताता है,जिला कलेक्टर से मुलाकात के दौरान पैर पर पैर चढ़ाकर बैठे हुए दिखाई दे रहा है,यह वीडियो स्वयं युवक द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया गया था,मुलाकात किस विषय पर थी,यह स्पष्ट नहीं हो सका, किंतु दृश्य सामने आते ही आमजन के बीच यह प्रश्न उठने लगा कि क्या जिला कलेक्टर कार्यालय सामान्य बैठक स्थल है? क्या जिले के सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी के समक्ष ऐसा आचरण उचित है? क्या हर स्थान पर एक जैसा व्यवहार मर्यादा के अनुरूप होता है? जनता ने देखा, चर्चा हुई और आलोचना स्वाभाविक रूप से सामने आई, खबर उसी आलोचना की अभिव्यक्ति थी।

क्यों चुभती है मर्यादा की बात ?

क्योंकि कमी मानना आत्ममंथन मांगता है, और आत्ममंथन वही कर सकता है जिसकी परवरिश में संस्कार रहे हों,यदि बचपन में यह नहीं सिखाया गया कि कौन-सा स्थान क्या महत्व रखता है, किस पद के सामने कैसा आचरण अपेक्षित है,और शक्ति से बड़ा संयम होता है तो व्यक्ति को यही लगता है कि कुर्सी पर बैठना ही सम्मान है, भले ही वह कुर्सी किसी भी जगह क्यों न हो।

मुद्दा कुर्सी नहीं, सोच का है...

यह बहस इस बात की नहीं थी कि कुर्सी पर बैठना गलत है या नहीं,बहस इस बात की थी कि क्या हर जगह एक जैसा आचरण उचित होता है? क्या कलेक्टर कार्यालय चाय की दुकान है? क्या जिले के सर्वोच्च प्रशासनिक पद की गरिमा व्यक्तिगत आराम से छोटी है? घर में बैठने का तरीका अलग होता है, दोस्तों के बीच अलग,अकेले कमरे में अलग,और न्यायिक या प्रशासनिक अधिकारी के समक्ष पूरी तरह अलग,यही अंतर व्यक्ति के भीतर मौजूद संस्कार को उजागर करता है,यदि वही युवक शांत मन से अपना ही वीडियो देखे,तो शायद उसे भी समझ आए कि यह केवल पैर रखने का प्रश्न नहीं था–यह संवेदनशीलता,समझ और मर्यादा का प्रश्न था।

जब आलोचना असहनीय बन जाए-

खबर प्रकाशित होने के बाद जो प्रतिक्रिया सामने आई,वह इस पूरे विषय का सबसे गंभीर पहलू बन गई,आलोचना स्वीकार करने के बजाय युवक ने सोशल मीडिया पर ऐसा वक्तव्य दिया जिसमें पत्रकारों पर व्यक्तिगत आरोप लगाए गए,भाषा की मर्यादा लांघी गई,धमकी और अहंकार स्पष्ट झलका, स्वयं को अलग टाइप का नेता घोषित किया गया,यह प्रतिक्रिया बताने के लिए पर्याप्त थी कि समस्या वीडियो में नहीं,सोच में है,जिस लहजे में लिखा गया,वह स्वयं यह दर्शाता है कि राजनीति अभी परिपक्वता से बहुत दूर है।

पत्रकारिता पर आरोप- हताशा की उपज-

अपने बचाव में युवक द्वारा पत्रकारों को लिफाफाखोर, आरटीआई के नाम पर ब्लैकमेल करने वाला, कार्यालयों में हाथ जोड़कर खड़ा रहने वाला बताया गया, ये आरोप न केवल गंभीर हैं बल्कि बिना किसी प्रमाण के लगाए गए हैं, यदि ऐसा कोई तथ्य मौजूद है तो उसे सक्षम मंच पर प्रस्तुत किया जाना चाहिए, सोशल मीडिया पर गुस्से में उछाले गए आरोप सच्चाई नहीं बन जाते, पूरी पत्रकार बिरादरी को एक ही तराजू में तौल देना स्वयं उस मानसिकता को उजागर करता है जो आलोचना सहन नहीं कर पाती।

भाषा ही असली पहचान होती है-

राजनीति में व्यक्ति को उसके कपड़ों से नहीं, शब्दों से पहचाना जाता है, शब्द बताते हैं संस्कार कितने गहरे हैं, सत्ता सिर पर चढ़ी है या जिम्मेदारी मन में है, और व्यक्ति नेता बनने आया है या केवल दिखावे के लिए राजनीति कर रहा है, जब आलोचना के उत्तर में संयम नहीं, बल्कि धमकी दिखाई दे–तो वही व्यवहार पूरे विवाद का निष्कर्ष स्वयं लिख देता है।

सोशल मीडिया से अख़बार तक पहुंची बहस-

वीडियो वायरल होने के बाद इस विषय पर सोशल मीडिया में तीखी प्रतिक्रियाएँ सामने आई, इसी क्रम में समाचार पत्र में प्रकाशित विश्लेषणात्मक खबर शिष्टाचार बनाम दिखावाः क्या सत्ता की निकटता मर्यादा से ऊपर हो गई है?÷ ने पूरे मामले को और व्यापक बहस में बदल दिया, खबर में किसी व्यक्ति विशेष पर आरोप नहीं, बल्कि सार्वजनिक पदों की गरिमा और व्यवहार की मर्यादा पर सवाल उठाए गए थे।

नेता होने का दावा, पर पद का उत्तर नहीं-

युवक ने यह भी कहा कि अधिकारी से मिलना कोई अपराध नहीं है, निश्चित रूप से नहीं, लेकिन सवाल यह है कि वे किस पद की हैसियत से मिले? संगठन में उनका अधिकृत दायित्व क्या है? क्या वे निर्वाचित प्रतिनिधि हैं? या किसी संवैधानिक जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे थे? यदि कोई विधायक, सांसद या मंत्री कलेक्टर से चर्चा करता है, तो वह प्रशासनिक परामर्श कहलाता है, लेकिन यदि कोई स्वयंभू ÷नेता÷ बिना स्पष्ट पद, जिम्मेदारी और जनादेश के बैठक करे, तो सवाल उठना स्वाभाविक है, सवाल पूछना अपराध नहीं होता।

कोरिया व एमसीबी जिले में हर्षोल्लास से मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

विभागीय झांकियां बनी आकर्षण का केंद्र,आदिवासी विकास विभाग प्रथम,शहीद जवानों के परिजनों का हुआ भावपूर्ण सम्मान

शहीद जवानों के परिजनों का भावपूर्ण सम्मान

समारोह के दौरान राष्ट्र की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों के परिजनों को विशेष सम्मान प्रदान किया गया,मुख्य अतिथि सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा शाल एवं श्रीफल भेंट कर शहीद आरक्षक बृजभूषण श्रीवास्तव,शहीद आरक्षक राजेश कुमार पटेल,शहीद आरक्षक हरिकेश प्रसाद के परिजनों को सम्मानित किया गया, विशेष रूप से शहीद आरक्षक बृजभूषण श्रीवास्तव की पुत्री इशिता श्रीवास्तव, जो वर्तमान में महिला आरक्षक के पद पर सेवाएं दे रही हैं, का सम्मान समारोह का अत्यंत भावुक एवं प्रेरणादायक क्षण रहा, सांसद श्री सिंह ने कहा कि ÷शहीदों का बलिदान राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है, उनका सम्मान करना समाज की नैतिक जिम्मेदारी है, सम्मान के दौरान पूरा परिसर तालियों की गूंज से भर उठा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

समारोह में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत, सामूहिक नृत्य, व्यायाम प्रदर्शन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम,राष्ट्रीय एकता एवं संविधान के मूल भावों को जीवंत किया गया।

-संवाददाता-

कोरिया/एमसीबी,27 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। कोरिया एवं मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 77वां गणतंत्र दिवस राष्ट्रभक्ति, अनुशासन एवं लोकतांत्रिक गरिमा के साथ भव्य रूप से मनाया गया। जिला स्तरीय समारोहों में देशभक्ति गीतों की गूंज, तिरंगे की शान, अनुशासित परेड, भव्य विभागीय झांकियां तथा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को देशप्रेम से ओत-प्रोत कर दिया।

कोरिया जिले में गरिमामय आयोजन, विधायक भैयालाल राजवाड़े रहे मुख्य अतिथि

कोरिया जिले का जिला स्तरीय मुख्य समारोह शासकीय आदर्श रामानुज हायर सेकेंडरी स्कूल,बैकुंठपुर स्थित मिनी स्टेडियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बैकुंठपुर विधायक भैयालाल

राजवाड़े रहे, उन्होंने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली तथा मुख्यमंत्री के गणतंत्र दिवस संदेश का वाचन किया, अपने संबोधन में उन्होंने संविधान निर्माताओं को नमन करते हुए कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों का सशक्त आधार है। उन्होंने बाबा गुरु घासीदास जी के मनखे-मनखे एक समान के संदेश को छत्तीसगढ़ की सामाजिक चेतना का मूल बताया,उन्होंने छत्तीसगढ़ की रजत जयंती, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के योगदान,जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान,नवनिर्मित विधानसभा भवन तथा शहीद वीर नारायण सिंह डिजिटल संग्रहालय का उल्लेख किया,इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी,जिला पंचायत सीईओ, वनमंडलाधिकारी,पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, अर्द्धसैनिक बलों के अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे,पूरे कोरिया एवं एमसीबी जिले में शासकीय एवं अर्धशासकीय कार्यालयों तथा शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर गणतंत्र दिवस को गौरव,उल्लास और देशप्रेम के साथ मनाया गया।

एमसीबी जिले में सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने फहराया तिरंगा

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले का जिला स्तरीय मुख्य समारोह आमाखेरवा ग्राउंड,मनेंद्रगढ़ में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा परेड की सलामी ली, ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान के सामूहिक गायन से पूरा परिसर देशभक्ति के स्वर में गूंज उठा। सांसद श्री सिंह ने कलेक्टर डी. राहुल वेंकट एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह के साथ परेड का निरीक्षण किया और टुकड़ियों के अनुशासन व उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की,परेड में जिला पुलिस बल,महिला पुलिस,नगर सेना,अर्द्धसैनिक बल,एनसीसी,एनएसएस तथा स्काउट-गाइड की टुकड़ियों ने आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया।

विभागीय झांकियां बनी मुख्य आकर्षण

जिला स्तरीय समारोह में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित भव्य, सुसज्जित एवं संदेशात्मक विभागीय झांकियां आमजन के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहीं। झांकियों के माध्यम से ग्रामीण विकास,पंचायत व्यवस्था,आदिवासी उत्थान,महिला सशक्तिकरण, शिक्षा,स्वास्थ्य,कृषि विकास एवं सामाजिक कल्याण योजनाओं का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया।

आदिवासी विकास विभाग को प्रथम पुरस्कार

झांकी प्रतियोगिता में आदिवासी विकास विभाग की झांकी को प्रथम स्थान प्रदान किया गया। झांकी में भगवान बिरसा मुंडा के जल-जंगल-जमीन संरक्षण के विचारों एवं उनके ऐतिहासिक उलगुलान आंदोलन को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया,प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, सांस्कृतिक संदेश एवं भावनात्मक प्रभाव के कारण यह झांकी निर्णायकों एवं दर्शकों दोनों की विशेष प्रशंसा का केंद्र बनी,झांकी निर्माण में विभाग प्रमुख सुश्री अंकिता मरकाम के नेतृत्व में संदीप कुमार सिंह,अतुल गुप्ता,आज्ञा प्रताप,दिनेश कुमार एवं कन्हैया लाल का उल्लेखनीय योगदान रहा,द्वितीय स्थान-पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (जिला पंचायत) तृतीय स्थान-महिला एवं बाल विकास विभाग तथा कृषि विभाग की संयुक्त झांकी,विजेता विभागों को मुख्य अतिथि द्वारा स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

महलों में सोया,फुटपाथ पर जागा...भूख मिटाने के लिए बेची किताबें

सिनेमा के पहले सुपरस्टार की रूह कंपाने वाली दास्तां

महंगी गाड़ियां महंगे बंगले और आलीशान जिंदगी...ये कहानी है एक ऐसे सुपरस्टार की,जिसने हिंदी सिनेमा में सबकुछ देखा लेकिन एक वक्त ऐसा आया कि सुपरस्टार के पास खाने तक को पैसे नहीं बचे।

कहते हैं कि शोहरत का साया जब सर से हट जाए तो दिन में तारे दिख जाते हैं। पलक झपकते ही इंसान की जिंदगी ग़म के बादलों में खो जाती है।

बॉलीवुड के समंदर में एक लहर ऐसी आई जिसने एक सुरीले शहजादे को सिनेमा की गोद में दिया। इस शहजादे ने जितना स्टारडम का स्वाद चखा, उतना ही दर्द और बेबसी के थपेड़े भी इस स्टार ने खाए। कभी मखमली बिस्तरों में ये रहने वाला सुपरस्टार फुटपाथ पर आ गया।

कलेजा तो तब फटा...जब शौहरत के शिखर पर रहने वाला सुपरस्टार बस की लाइनों में धक्का खाते दिखा,पापी पेट के लिए दर-दर की ठोकरें खाते दिखा। कभी बेशुमार दौलत के शाही पलंग पर सोने वाला वो सितारा अपनी जान से प्यारी किताबों को रद्दी के भाव बेचने पर मजबूर हो गया ताकि दो वक्त की रोटी का इंतजाम हो सके।

आज हम आपको एक ऐसे ही बेबस बैजू की कहानी बताने जा रहे हैं, जिसने शोहरत का सवेरा देखा तो बर्बादी के बवंडर में खुद को लुटते हुए भी देखा। आइए जानते हैं सिनेमा के पहले सुपरस्टार की कहानी...

फिल्मों में ऐसे आए भारत भूषण

14 जून,1920 ये वो तारीख है जब मेरठ में भारत भूषण गुप्ता का जन्म हुआ था। बचपन में ही भारत भूषण के ऊपर दुखों का साया आता। पिता चाहते थे कि बेटा वकील बने लेकिन उन्हें तो एक्टर बनना था। अलीगढ़ से पढ़ाई पूरी करने के बाद वो मुंबई आ गए। भारत के भाई फिल्म प्रोड्यूसर थे, जिनका लखनऊ में एक स्टूडियो भी था। आखिरकार पिता की मर्जी के बाद भारत ने एक्टर बनने की ठान ली। करियर के शुरूआती दौर में उन्हें बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उस दौरान डायरेक्टर रामेश्वर शर्मा ने भारत भूषण को उन्हें 1942 में आई फिल्म भक्त कबीर में काशी नरेश का रोल दिया और इसके साथ 60 रुपए महीना की उन्हें नौकरी भी दे दी।

इसके बाद करियर की शुरुआत में उन्होंने काफी छोटे रोल किए। भाईचारा, सावन,जन्माष्टमी,बैजू बावरा,मिर्जा गालिब जैसी कई फिल्मों में उन्होंने काम किया। हालांकि असली जादू हुआ साल 1952 में,जब एक फिल्म से वो सुपरस्टार बन गए।

बैजू बावरा ने बदली भारत भूषण की किस्मत

डेब्यू करने के करीब 11 साल बाद भारत भूषण की किस्मत बदली। इस साल उन्होंने फिल्म बैजू बावरा में काम किया और ये फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हो गई। भारत भूषण सिनेमा में सुपरस्टार की फेहरिस्त में शुमार हो गए। करीब 100 हफ्तों तक ये फिल्म सिनेमाघरों में लगी रही।

इस फिल्म के बाद तो मानो भारत भूषण के पास फिल्मों की लाइन लग गई। इसके बाद उन्होंने मां और आनंदमठ जैसी हिट फिल्में कीं। इसके बाद साल 1953 में वो फिल्म लड़की में भी नजर आए और ये फिल्म भी ब्लॉकबस्टर रही। इन फिल्मों के दम पर वो छा गए और उस दौर में वो इकलौते और पहले ऐसे ऐसे एक्टर थे, जिन्हें चॉकलेट ब्वॉय कहा जाता था जिनके पीछे लड़कियां खूब दीवानीं रहती थीं।

मुंबई के बंगलों वाले पहले स्टार

भारत भूषण की फिल्में हिट हुईं तो रईसी भी उनके पास आ गई। बड़ी-बड़ी फिल्मों में वो काम कर रहे थे तो उन्होंने खूब गाड़ियां और बंगले खरीद लिए। आज मुंबई में जिन बंगलों को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। उस दौर में भारत भूषण ने एक साथ बंबई में समंदर के किनारे कई बंगले खरीद लिए थे।

भारत भूषण उस दौर में सिनेमा के एक ऐसे एक्टर थे, जिनके पास मुंबई में कई बंगले हुआ करते ते। महंगी कारें और उनका स्टाइल उन्हें सबसे हटकर बना गया। उनके पास उस जमाने की सबसे महंगी विदेशी कारें थीं और उनका लाइफस्टाइल राजसी था। प्रोड्यूसर के तौर पर उनकी दो फिल्में बरसात की रात और बसंत बहार हिट रहीं और भूषण कुमार मालामाल हो गए।

मीना कुमारी से जुड़ा था भारत भूषण का नाम

कहा जाता है कि भारत भूषण की जिंदगी में मीना कुमारी ने दस्तक दी थी। साल 1952 में जब भारत भूषण फिल्म बैजू बावरा में काम कर रहे थे, तो उस दौरान उनकी लाइफ में मीना कुमारी आ गईं। हालांकि मीना के पिता को ये रिश्ता मंजूर नहीं था और दोनों का रिश्ता फिर टूट गया।

कहा जाता है कि इससे पहले भारत भूषण की एक शादी हुई थी हालांकि बाद में उनकी पत्नी का निधन हो गया था। इसके बाद उन्होंने अपनी को-स्टार रत्ना से शादी की,जो उनके आखिरी वक्त तक साथ रहीं।

लालच ने कर दिया बॉलीवुड के कुबेर को बर्बाद

भारत भूषण के पास काम की कमी नहीं थी और वह लगातार फिल्मों में काम करते जा रहे हैं। भाई के कहने पर वो फिल्मों को प्रोड्यूस भी करने लगे और तो और भाई रमेश के कहने पर वो उनके बेटे को लॉन्च करने के लिए भी तैयार हो गए। धीरे-धीरे मामला बिगड़ता चला गया और भारत भूषण कर्जे में डूबते चले गए। पैसों के पलंग पर सोने वाले भारत भूषण अब तंगी का शिकार होने लगे और धीरे-धीरे एक वक्त ऐसा आया जब वह पाई-पाई के लिए मोहताज रहने लगे।

नीलाम हुए बंगले,बिक गईं गाड़ियां

भाई की गलतियों की सजा भूषण को मिल गई। भारत भूषण ने भाई के कहने पर जो किया वो उस पर सिर्फ पछतावा ही कर रहे थे। कंगाली का दौर भारत भूषण के जीवन में आ गया।

नीलाम हुए बंगले भारत भूषण के जिन बंगलों का जिक्र फिल्म इंड्स्ट्री में होता था,कर्ज में एक-एक करके वो सभी नीलाम होते चले गए।

बिकी महंगी गाड़ियां सिनेमा के इस सुपरस्टार के पास कभी महंगी गाड़ियां हुआ करती थीं, वो भी बिक गईं और वो पैदल चले पर मजबूर हुए।

किताबें बेचकर चलाया घर यहां तक अपनी लाइब्रेरी की किताबें भी उन्हें पेट पालने के लिए बेचनी पड़ीं। उनके पढ़ने का बहुत शौक था और किताबों से बहुत प्यार करते थे लेकिन गरीबी की मार उनसे ये भी छीन ले गई।

पाई-पाई हुए मोहताज, फिर ऐसे हुआ अंत

करियर बर्बाद हुआ तो भारत भूषण कैसे भी करके अपना घर चलाने के लिए परेशान होने लगे। उन्होंने पेट पालने के लिए फिल्मों में छोटे रोल्स करने शुरू कर दिए। आलम ये है कि वो एक्सट्रा काम करने लगे। कोई भी फिल्ममेकर उन्हें जूनियर आर्टिस्ट का रोल देता तो वो कर लेते थे,ताकि एक वक्त का और खाना खाया जा सके। भारत भूषण आखिरी दिनों में बहुत ज्यादा बीमार रहने लगे। ना तो इलाज के लिए इतने पैसे होते थे कि वो इलाज करा पाएं और ना ही वो किसी से मदद मांगते थे। आखिरकार 27 जनवरी 1992 को,एक किराए के छोटे से कमरे में भारत भूषण ने अंतिम सांस ली। जिस शख्स ने कभी दौलत के अंबार देखे थे, उसके अंतिम संस्कार में फिल्म इंडस्ट्री का कोई बड़ा सितारा तक नहीं पहुंचा।

सुपरस्टार का बेटा होने के बावजूद काम के लिए सालों तरसा ये एक्टर,53 की उम्र में किया धमाकेदार कमबैक

हिंदी सिनेमा जगत में कई कलाकार ऐसे रहे हैं, जिन्होंने डेब्यू शानदार किया,लंबे समय तक बड़े पर्दे पर धाक जमाई, लेकिन फिर उनके करियर में एक ऐसा मोड़ आया कि वह सालों तक काम के लिए तरसते रहे। कोई और अभिनेता हो तो इतना ध्यान नहीं जाता। लेकिन वह एक्टर हिंदी सिनेमा पर लगभग 6 दशक राज करने वाले सुपरस्टार का बेटा हो तो चर्चा होनी बनती है। आज 27 जनवरी को वह एक्टर अपना 57वां जन्मदिन मनाया।

4 साल काम के लिए तरसा ये एक्टर

जिस अभिनेता के बारे में इस लेख में जिक्र किया जा रहा है, उन्होंने 1995 में आई फिल्म बरसात से हिंदी सिनेमा में लीड एक्टर के तौर पर डेब्यू किया। फिल्म ठीकठाक चली और एक स्टार किड के तौर पर एक्टर की निकल पड़ी। इसके बाद उस कलाकार ने बैक टू बैक हिट मूवीज देकर फैमिली की लेगेसी को आगे बढ़ाया। इस एक्टर के पिता, बड़े भाई और सौतेली मां भी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम रहे हैं।

अब तो आप समझ ही गए होंगे कि यहां बात सुपरस्टार बॉबी देओल के बारे में की जा रही हैं। जी हां आज बॉबी का जन्मदिन मनाया जा रहा है। इस आधार पर हम आपको उनसे जुड़ा एक रोचक

किस्सा बताने जा रहे हैं,जब साल 2013 से लेकर 2017 तक बॉबी देओल के पास काम नहीं था और वह एकदम खाली बैठे रहे।

4 साल तक लंबा इंतजार करने के बाद बॉबी देओल को सलमान खान ने फिल्म रेस 3 के जरिए कमबैक कराने में हेल्प की,लेकिन कमर्शियल तौर पर उनकी ये फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। बॉबी ने हार नहीं मानी और ओटीटी प्लेटफॉर्म की तरफ रुख किया।

आश्रम से हुई बॉबी की वापसी

बॉबी देओल को कमबैक में सबसे बड़ी भूमिका वेब सीरीज आश्रम ने निभाई। इस सीरीज में उनका बाबा निराला का किरदार इस कदर फेमस हुआ कि वह हर किसी की पहली पसंद बन गए। नेगेटिव किरदार में बॉबी की किस्मत चमकी और फिर उन्होंने विलेन का कैरेक्टर निभाना शुरू कर दिया। इसके अलावा उन्होंने लव हॉस्टल और क्लास ऑफ 83 जैसे ओटीटी कंटेंट से वाहवाही बटोरी।

विलेन बन छाए

हालांकि,बॉबी देओल को बड़े पर्दे पर जोरदार कमबैक की तलाश अभी भी जारी थी। जो साल 2023 में आई रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल से पूरी हुई। इस मूवी में बॉबी ने अबरार हक का नेगेटिव रोल प्ले किया और पूरी फिल्म की सफलता को अपने नाम से विख्यात कर दिया। इस तरह से 53 साल की उम्र में बॉबी ने सिनेमा जगत में ऐतिहासिक वापसी की।

नेहा मर्दा बनीं बिजनेसवुमन

शार्क टैंक इंडिया में पिच करने आई एक्ट्रेस के प्रोडक्ट पर उठे सवाल

डोली अरमानों की,क्यों रिश्तों में कट्टी-बट्टी और बालिका वधू जैसे टीवी शोज में नजर आ चुकीं जानी-मानी अदाकारा नेहा मर्दा अब बिजनेसवुमन बनकर नया सफर शुरू कर चुकी हैं। मां बनने के बाद उन्होंने स्किनकेयर ब्रांड फिटकू शुरू किया है जिसके लिए एक्ट्रेस शार्क टैंक इंडिया सीजन 3 में भी पहुंचीं।

शार्क टैंक इंडिया में नेहा मर्दा ने अपने ब्रांड के लिए पिच किया और बताया कि आखिर उन्होंने क्यों और कैसे यह प्रोडक्ट शुरू किया। वीडियो में नेहा ने बताया कि प्रेग्नेंसी के बाद वह अपनी बॉडी पर लगाए जाने वाली चीजों से काफी असहज थीं। उन्होंने कहा, एक एक्टर के तौर पर मेरा कॉन्फिडेंस हिल गया था। कुछ भी ऐसा नहीं था जो इसे सॉल्व कर सके। एक्ट्रेस ने बताया कि उनके स्किनकेयर प्रोडक्ट्स में हीरो प्रोडक्ट डियो है। हालांकि, इसमें कोई फ्रेगरेंस नहीं है।

नेहा मर्दा ने शार्क टैंक इंडिया में किया पिच

नेहा मर्दा के इस प्रोडक्ट पर अमन गुप्ता और अनुपम मित्तल ने सवाल पूछे। अमन ने कहा कि आमतौर पर लोग डियो फ्रेगरेंस के लिए लगात हैं, लेकिन उनके प्रोडक्ट में फ्रेगरेंस ही नहीं है। फिर अनुपम मित्तल ने सवाल उठाया कि फिर फ्लेवर्स का मतलब क्या है। क्या यह सिर्फ एक दिखावा है। एक जज ने सवाल उठाया कि आप पॉपुलर टीवी स्टार है, क्या उसकी वजह से प्रोडक्ट को ज्यादा प्रमोशन मिला है। अब देखना होगा कि इतने सारे सवालों के बावजूद नेहा मर्दा अपनी पिच से जजेस को इंप्रेस कर पाती हैं या नहीं।

नेहा मर्दा का टीवी करियर

नेहा मर्दा ने करीब एक दशक से टीवी इंडस्ट्री पर राज किया। उन्होंने 2005 में साथ रहेगा ऑलवेज से अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था। फिर उन्होंने ममता,श्श्श्श...कोई है,कहे ना कहे,बालिका वधू,श्रद्धा,देवों के देव महादेव जैसे शोज में नजर आईं। उन्हें सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी डोली अरमानों की शो से मिली। आखिरी बार एक्ट्रेस को मीत- बदलेगी दुनिया की रीत में देखा गया था।

खेल समाचार

भारत ने जिम्बाब्वे को 204 रन से हराया

विहान का शतक,वैभव की फिफ्टी,कप्तान आयुष म्हात्रे ने 3 विकेट लिए

बुलावायो,27 जनवरी 2026। अंडर-19 वर्ल्ड कप के सुपर-6 स्टेज में भारत ने जिम्बाब्वे को 204 रन से हरा दिया। बुलवायो में मंगलवार को पहले बैटिंग करते हुए टीम इंडिया ने 352 रन बनाए। जिम्बाब्वे 148 रन पर ही ऑलआउट हो गया। विहान मल्होत्रा ने शतक लगाया। वहीं कप्तान आयुष म्हात्रे और उधव मोहन ने 3-3 विकेट लिए।

क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे ने बॉलिंग चुनी। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने 23 गेंद पर टूर्नामेंट की तीसरी सबसे तेज फिफ्टी लगाई। विहान मल्होत्रा ने 109 और अभिज्ञान कुंडु ने 61 रन बनाए। जिम्बाब्वे के लिए ततेंदा चिमुगोरो ने 3 विकेट लिए। पनाशे मजाई और कप्तान सिम्बाराशे मुद्जेंगेरेरे को 2-2 विकेट मिले। ध्रुव पटेल ने 1 विकेट लिया।

भारत के लिए गेंदबाजी में उधव मोहन और कप्तान आयुष म्हात्रे ने 3-3 विकेट लिए। आरएस अम्ब्रिश को 2 विकेट मिले। हेनिल पटेल और खिलन पटेल ने 1-1 विकेट लिया। जिम्बाब्वे के लिए लीरॉय चिवाउला ने 62 रन बनाए। कियान ब्लिग्नॉट ने 37 और ततेंदा चिमुगोरो ने 29 रन की पारी खेली। बाकी कोई भी बैटर 10 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सका।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत: आयुष म्हात्रे (कप्तान), आरोन जॉर्ज,वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा,अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर),वेदांत त्रिवेदी, आरएस अम्ब्रिश,कनिष्क चौहान,खिलन पटेल,हेनिल पटेल,उधव मोहन।

जिम्बाब्वे: सिम्बाराशे मुद्जेंगेरेरे (कप्तान), नाथानियल ह्लाबंगाना (विकेटकीपर), ध्रुव पटेल, कियान ब्लिगनॉट, ब्रैंडन सेंजरे, लीरॉय चिवाउला, माइकल ब्लिगनॉट, ताकुद्ज्वा माकोनी, ततेंदा चिमुगोरो, पनाशे मजई, वेबस्टर माधिधी।

उधव मोहन ने 2 विकेट लेकर मैच खत्म किया

तेज गेंदबाज उधव मोहन ने 38वें ओवर की पहली और चौथी गेंद पर विकेट लेकर जिम्बाब्वे को ऑल आउट कर दिया। टीम 148 रन ही बना सकी।

जिम्बाब्वे के कप्तान आउट

जिम्बाब्वे ने 37वें ओवर में 7वां विकेट भी गंवा दिया। ओवर की तीसरी बॉल आयुष म्हात्रे ने गुड लेंथ पर फेंकी। बॉल सिम्बाराशे मुद्जेंगेरेरे के पैड्स पर लगी। भारत ने अपील की और अंपायर ने एलबीडब्ल्यू का फैसला दिया। जिम्बाब्वे के कप्तान 3 रन ही बना सके। इसी ओवर में म्हात्रे ने ततेंदा चिमुगोरो को भी कैच करा दिया। वे 29 गेंद पर 29 रन बनाकर वैभव सूर्यवंशी के हाथों कैच हुए।

आयुष म्हात्रे को पहला विकेट

जिम्बाब्वे ने 35वें ओवर में छठा विकेट भी गंवा दिया। ओवर की तीसरी बॉल आयुष म्हात्रे ने गुड लेंथ पर फेंकी। बॉल अंदर की ओर टर्न होकर स्टंप्स से टकरा गई। माइकल ब्लिगनॉट खाता भी नहीं खोल सके।

लीरॉय चिवाउला फिफ्टी लगाकर आउट

जिम्बाब्वे ने 34वें ओवर में पांचवां विकेट भी गंवा दिया। ओवर की चौथी बॉल उधव मोहन ने ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट पिच फेंकी। चिवाउला ने कट शॉट खेला,लेकिन कैच हो गए। वे 62 रन बनाकर आउट हुए।

आईसीसी ने बांग्लादेश के खेल पत्रकारों को टी 20 वर्ल्ड कप में जाने से रोका

नई दिल्ली,27 जनवरी 2026। खराब परफॉर्मेंस के कारण टी 20 वर्ल्ड कप से बाहर हुए बांग्लादेश को आईसीसी ने एक और झटका दिया है। वर्ल्ड कप मैचों की कवरेज के लिए अप्लाई करने वाले देश के स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स को परमिशन नहीं दी गई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सौ से ज़्यादा एप्लीकेशन रिजेक्ट कर दिए हैं, जिसके बाद उन्होंने गुहार लगाई है कि उन्हें उनके बोर्ड की गलती की सज़ा न दी जाए। इस मामले में,आईसीसी ने बताया है कि वह मीडिया एक्रेडिटेशन जारी करने की प्रक्रिया की एक बार फिर समीक्षा करेगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड, जिसने भारत में वर्ल्ड कप में अपनी टीम न भेजने की कसम खाई थी, उसे लगातार झटके लग रहे हैं। आईसीसी ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए स्कॉटलैंड को मौका दिया है, जिसे बांग्ला देश ने हमारे साथ खेलने के लिए बेटिंग से बख्श दिया था। अब आईसीसी ने वर्ल्ड कप कवरेज के लिए अप्लाई करने वाले स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स को परमिशन नहीं दी है। इस मुद्दे पर, बांग्लादेश बोर्ड मीडिया प्रेसिडेंट हंजद हुसैन ने आईसीसी से रिजेक्शन के कारणों के बारे में बताने को कहा है।

शाने ब्रीन ने अल शिरा हॉर्स शो में जीता ग्रैंड प्रिक्स

अबूधाबी,27 जनवरी 2026। अल शिरा इंटरनेशनल हॉर्स शो अल फोरसन इंटरनेशनल स्पोर्ट्स रिज़ॉर्ट में खत्म हो गया,जिसमें पांच दिनों की प्रतियोगिता के बाद हफ्ते के फीचर क्लास ईईआई वर्ल्ड कप ग्रैंड प्रिक्स का खिताब आयरलैंड के शेन ब्रीएन ने जीता। ग्रैंड फिनाले से पहले, एक ड्रोन ने शेखा फातिमा बिन्त हज्जा अल-नाहयान के घुड़सवारी खेल के भविष्य के विजन के बारे में बताया। दो राउंड में हुई इस प्रतियोगिता में 380,000 का प्राइज फंड था,जिसमें 50 बेहतरीन खिलाडियों ने हिस्सा लिया। जीत ब्रीएन को मिली, जिन्होंने बीपी आर्कटिक ब्लू पर क्लास का एकमात्र डबल क्लियर राउंड किया, और 47.61 सेकंड में घड़ी

रोककर निर्णायक जीत हासिल की। पिछले साल के विजेता, इटली के गुइडो ग्रिमाल्डी, जेंटलमैन पर सवार होकर दूसरे स्थान पर रहे, उनका प्रदर्शन सिर्फ तीन टाइम फॉल्ट के कारण थोड़ा खराब हुआ। पोडियम पर तीसरे स्थान पर ग्रेट ब्रिटेन के अलेक्जेंडर मैकलीन रहे, जिन्होंने कैलिक्सटे हार्टब्रेकर' पर दूसरे राउंड में सबसे तेज़ समय दिया, लेकिन एक पोल गिरने के कारण उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

ब्रीएन ने अपने जीतने वाले राउंड के बारे में बताया, और कहा...मैंने कुछ खिलाड़ियों को शुरू में जाते हुए देखा और पाया कि यह आसान कोर्स नहीं था। बीपी आर्कटिक ब्लू आज रात इस लेवल पर खेल रहा था, इसलिए मेरा ध्यान सिर्फ अपने राउंड पर था, साफ जंप करना और फिर देखना कि इसका क्या नतीजा निकलता है। उसने कुछ जगहों पर, खासकर प्लैंक पर थोड़ा देखा, लेकिन मेरी प्राथमिकता उसे सुरक्षित घर लाना था। यहां जीतना बहुत खास है।

अल्काराज़ ने डी मिनौर की चुनौती पार कर पहला सेमीफाइनल जीता

मेलबोर्न,27 जनवरी 2026। वर्ल्ड नंबर 1 कार्लोस अल्काराज़ मेलबर्न पार्क में अपने पहले सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं, और करियर ग्रैंड स्लैम हासिल करने से सिर्फ़ दो जीत दूर हैं। उन्होंने रॉड लेवर एरिना में मौजूद जोश से भरी भीड़ के सामने एलेक्स डी मिनौर के खिलाफ़ 7-5, 6-2, 6-1 से शानदार जीत हासिल की। स्पेन के इस खिलाड़ी ने दबाव को झेला और आखिरकार एलेक्स डी मिनौर की नई बेहतर अटैकिंग स्टाइल के पूरे असर को बेअसर कर दिया। वह अपने सातवें बड़े खिताब और मेलबर्न में पहले खिताब के लिए खेल रहे हैं, और अब उनका मुकाबला पिछले साल के रनर-अप अलेक्जेंडर ज़्वेरेव से सेमी फाइनल में होगा। अल्काराज़ ने कोर्ट पर इंटरव्यू में कहा,मैं जिस लेवल पर हर मैच खेल रहा हूं, उससे बहुत खुश हूं,पहले राउंड से ही। मैं हर मैच में अपना लेवल बढ़ा रहा हूं। मैं अपनी टीम से धैर्य रखने के बारे में बात कर रहा था, क्योंकि मैं अभी सब कुछ चाहता हूं। लेकिन उन्होंने मुझसे धैर्य रखने को कहा...कि लेवल आ जाएगा। आज मुझे बहुत अच्छा लगा, शानदार टेनिस खेला, जिस पर मुझे बहुत गर्व है।

डी मिनौर ने दिखाया कि अल्काराज़ और जानिक सिनर जैसे टॉप खिलाड़ियों को चुनौती देने के लिए क्या चाहिए, लेकिन मैच ने आखिरकार यह दिखाया कि उच्चतम स्तर पर अभी भी कितनी दूरी तय करनी बाकी है। अल्काराज़ ने बेसलाइन से ज़ोरदार खेल दिखाया,आत्म विश्वास से खेल को कंट्रोल किया और बिना कोई सेट हारे सेमी फाइनल में पहुंच गए। 22 साल के यह खिलाड़ी, जो ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाले इतिहास के सिर्फ़ आठवें स्पेनिश पुरुष बने हैं, ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले

सिर्फ़ छठे पुरुष बनने की कोशिश कर रहे हैं, और आंद्रे अगासी, रोजर फेडरर,राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच और रॉड लेवर के साथ शामिल होना चाहते हैं, एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार।

अलेक्जेंडर बुब्लिक पर चौथे राउंड की जीत के बाद, डी मिनौर ने खुलकर टॉप खिलाड़ियों के लिए पंचिंग बैग बनने से बचने और विरोधियों को उनकी जगह से हटाने की अपनी क्षमता को बेहतर बनाने की अपनी इच्छा के बारे में बात की। उनकी तेज़ी और लगातार बचाव ने उन्हें एटीपी रैंकिंग में करियर के उच्चतम नंबर 6 पर पहुंचा दिया है। हालांकि, उनकी टिप्पणियां एक नई लहर के साथ मुकाबला करने के लिए बदलाव की ज़रूरत को उजागर करती हैं जिसने पिछले आठ बड़े खिताब जीते हैं। डी मिनौर ने मैच में उस लक्ष्य को पूरा किया। क्वार्टर फाइनल के पहले सेट में पांच बार सर्व ब्रेक हुए, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी 0-3 और 3-5 के घाटे से उबरकर आगे बढ़े और खेल पर हावी रहे। हालांकि, वह मज़बूती आखिरकार नाकाफी और कुछ समय के लिए ही थी।

यह सच में बहुत मुश्किल है। मैंने मैच की शुरुआत बहुत अच्छी की, बॉल को बहुत अच्छे से हिट कर रहा था। लेकिन एलेक्स आपको हर समय जल्दबाजी में डाल देता है, इसलिए आप बॉल को जितना हो सके उतनी ज़ोर से मारना चाहते हैं, जो उसके खिलाफ नामुमकिन है। इसलिए 3-0 से लेकर 4-3,4-4 तक, मैं सब कुछ जल्दबाजी में करना चाहता था,इसलिए मैंने एक पल लिया,मानसिक रूप से ब्रेक लिया। मैच के आखिर तक मैं ज़्यादा धैर्यवान था,अलकाराज़ ने डी मिनौर के साथ खेलने के बारे में पूछे जाने पर कहा।

अलकाराज़ ने आत्मविश्वास से अपनी रणनीति बदली,बेरहम शॉट लगाकर मैच को कंट्रोल किया और दो घंटे,15 मिनट में जीत हासिल की। इससे डी मिनौर के खिलाफ उनकी बढ़त 6-0 हो गई,जिन्होंने 2022 में शुरू हुई इस राइवलरी में सिर्फ़ दो सेट जीते हैं। 2024 और 2025 में मेलबर्न पार्क में क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद, अलकाराज़ ने अब इस टूर्नामेंट में 16-4 का रिकॉर्ड बनाया है। वह सेमीफाइनल में ज़्वेरेव का सामना करेंगे,जो उनके 2024 के क्वार्टर फाइनल का रीमैच होगा,जिसे जर्मन खिलाड़ी ने चार सेट में जीता था।

CMYK

30 जनवरी को प्रदेशभर में चक्काजाम करेगी कांग्रेस

मनरेगा को लेकर बनी रणनीति, 31 जनवरी से 7 फरवरी तक सभी जिलों में होगा प्रदर्शन

रायपुर,27 जनवरी 2026। मनरेगा को लेकर कांग्रेस ने बड़े आंदोलन का ऐलान किया है। दिल्ली में कांग्रेस की बैठक के बाद आज रायपुर में मनरेगा बचाओ संग्राम समिति की अहम बैठक हुई,जिसमें आंदोलन की रूपरेखा तय की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत,पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व मंत्री उमेश पटेल मौजूद रहे। बैठक में दो बड़े फैसले लिए गए, कांग्रेस 30 जनवरी को प्रदेश, जिला और ब्लॉक स्तर पर चक्का जाम करेगी। इसके बाद 31 जनवरी से 7 फरवरी तक प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया जाएगा।

मनरेगा बचाओ संग्राम की रणनीति पर मंथन : कांग्रेस ने कहा कि, मनरेगा देश के करोड़ों ग्रामीण परिवारों के लिए सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि रोजगार की संवैधानिक गारंटी है।

इस योजना ने गरीब, मजदूर और किसान वर्ग को सम्मानजनक जीवन दिया है, लेकिन केंद्र सरकार की नीतियों से इसकी मूल भावना को कमजोर किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने VB-G RAM G योजना का जिक्र करते हुए कहा कि, इससे मनरेगा के अधिकार प्रभावित होंगे और गांवों में ठेकेदारी प्रथा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे मजदूरों को सीधे काम मिलने की व्यवस्था कमजोर होगी।

बजट कटौती और मजदूरी भुगतान पर सवाल

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि,भाजपा सरकार के कार्यकाल में मनरेगा के बजट में लगातार कटौती की गई है। मजदूरी भुगतान में देरी,काम के दिनों में कमी और राज्यों पर बढ़ते वित्तीय बोझ के कारण ग्रामीण इलाकों में रोजगार के अवसर घटते जा रहे हैं। पार्टी का कहना है कि इसका सीधा असर गरीब,मजदूर और किसान परिवारों पर पड़ रहा है।

महात्मा गांधी का नाम हटाने पर भी आपत्ति

कांग्रेस नेताओं ने मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने के फैसले पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उनका कहना है कि यह सिर्फ नाम बदलने का मामला नहीं है, बल्कि गांधीजी के विचारों और ग्रामीण रोजगार की सोच को कमजोर करने की कोशिश है।

सड़क से संसद तक आंदोलन का ऐलान

कांग्रेस ने साफ किया है कि,मनरेगा को कमजोर करने के किसी भी प्रयास को वह स्वीकार नहीं करेगी। पार्टी ने सड़क से लेकर संसद तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया है।

भारत रत्न की मांग सही जगह पहुंचाई जाएगी : शिवराज सिंह

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई,27 जनवरी 2026। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को डोंगरगढ़ में अलग-अलग धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों शिरकत की। उन्होंने जैन तीर्थ चंद्रगिरि पहुंचकर आचार्य विद्यासागर महाराज के द्वितीय समाधि स्मृति महोत्सव में भी भाग लिया। साथ ही केंद्रीय मंत्री समाधि स्थल पर नमन किया। शिवराज सिंह चौहान ने आचार्य पर आधारित अंतरराष्ट्रीय म्यूजियम और संग्रहालय का भूमिपूजन भी किया। जैन समाज और मां बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति ने केंद्रीय मंत्री को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर आचार्य विद्यासागर महाराज को भारत रत्न देने की मांग की। जिस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आपकी मांग सही जगह पहुंचाई जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से स्वदेशी अपनाने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि आचार्य ने जो मार्गदर्शन दिया, वह हमारे जीवन और समाज के लिए प्रेरणादायक है। डोंगरगढ़ स्थित चंद्रगिरि तीर्थ में आचार्य विद्यासागर महाराज के द्वितीय समाधि स्मृति महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें केंद्रीय कृषि मंत्री सिंह शामिल हुए और अंतरराष्ट्रीय म्यूजियम-संग्रहालय का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने विश्व प्रसिद्ध मां बम्लेश्वरी देवी मंदिर में माता रानी की पूजा अर्चना की और देशवासियों की खुशहाली की कामना

की। उनके साथ जिले के प्रभारी मंत्री गजेंद्र यादव और सांसद संतोष पांडे भी मौजूद रहे। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि डोंगरगढ़ में आचार्य विद्यासागर महाराज का समाधि स्थल अत्यंत प्रभावशाली है। ऐसा लगता है जैसे आचार्य जी आज भी दर्शन दे रहे हों। उनके चेहरे का तेज, वाणी का ओज और करुणा से भरा हाथ आज भी हृदय में अनुभव होता है। आचार्य श्री का आदर करते हुए उनके संदेशों को भी अपनाना चाहिए। शिवराज सिंह चौहान ने GRAMG योजना पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से मनरेगा में सुधार हुआ है। पहले कई कमियों के कारण मजदूरों को लाभ नहीं मिल पा रहा था। नई योजना के तहत रोजगार की अवधि 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन की गई।

मुख्यमंत्री साय ने गौमाता पर बनी पहली फिल्म 'गोदान' का ट्रेलर किया लॉन्च

छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री करने की घोषणा की

रायपुर,27 जनवरी 2026। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गौमाता पर बनी पहली फिल्म-'गोदान' का ट्रेलर लॉन्च किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गौमाता के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। गौमाता ना सिर्फ आध्यात्मिक रूप से पूजनीय हैं बल्कि गाय का आर्थिक और वैज्ञानिक दृष्टि से भी बहुत महत्व है। मुख्यमंत्री श्री साय ने फिल्म-'गोदान' को छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री किए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने फिल्म-'गोदान' के ट्रेलर लॉन्च के अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ में गौ संवर्धन के लिए बहुत कार्य हो रहा है। गौशाला में गायों के चारा के लिए दी जाने वाली अनुदान राशि को

20 रुपए से बढ़ाकर 35 रुपए किया गया है साथ ही गौशाला को अब 25 लाख रुपए की सहायता राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गोधाम भी बनाए जा रहे हैं जहां घुमंतू गौवंश की उचित देखभाल की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मान्यता है कि गौमाता में 33 कोटि देवी- देवताओं का वास रहता है। हर अनुष्ठान से पहले पंचगव्य का उपयोग किया जाता है। ये बहुत खुशी की बात है कि गौमाता पर केंद्रित पहली फिल्म-'गोदान' का आज ट्रेलर लॉन्च किया जा रहा है। इस फिल्म के माध्यम से सभी को गौमाता के महत्व को और बेहतर तरीके से समझने का अवसर मिलेगा। मैं इस फिल्म से जुड़े सभी लोगों को बहुत बधाई देता हूं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमें गौमाता के महत्व के प्रति जन-जन को जागरूक करना है। गाय के गोबर से बनी जैविक खाद ही ऑर्गेनिक खेती का आधार है। दो घंटे 9 मिनट की इस फिल्म के माध्यम से गौ संवर्धन का संदेश दर्शकों तक पहुंचेगा। फिल्म का माध्यम एक बहुत सशक्त माध्यम है जिसके द्वारा एक बड़े दर्शक वर्ग तक सकारात्मक संदेश को पहुंचाया जा सकता है। सीएम ने फिल्म के पोस्टर तथा गीत ' गौमाता के प्राणों को बचा लो देशवासियों' का भी लॉन्च किया। उन्होंने पंचगव्य उत्पाद के गिफ्ट पैक का भी विमोचन किया। गौमाता की महत्ता को अभिव्यक्त करने वाली कामधेनु फिल्म प्रोडक्शंस की फिल्म गोदान 6 फरवरी को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस अवसर पर अजीत महापात्र,शांतनु शुक्ला, फिल्म के निर्माता एवं निर्देशक विनोद चौधरी, डॉ आईपी सिंह,सुबोध राठी सहित अन्य गणमान्यजन और मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ के रिटायर्ड जज को सीबीआई नोटिस के खिलाफ दी राहत,निजी जानकारी देने के लिए मजबूर नहीं कर सकते

रायपुर,27 जनवरी 2026। दिल्ली हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार के एक मामले में सीबीआई द्वारा रिटायर्ड छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट जज, जस्टिस आई.एम. कुद्दूसी को जारी की गई नोटिस को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धारा 91 CrPC का इस्तेमाल आरोपी या गवाह से उसकी निजी जानकारी जबरदस्ती मंगवाने के लिए नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि इस धारा का उद्देश्य केवल साक्ष्य जुटाने और जांच में सहयोग सुनिश्चित करने तक सीमित है, और इसे मोबाइल नंबर, बैंक अकाउंट डिटेल्स या घरेलू स्टाफ के नाम जैसी निजी जानकारियां जबरदस्ती हासिल करने के लिए नहीं प्रयोग किया जा सकता। दिल्ली हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई द्वारा रिटायर्ड जज जस्टिस आई.एम. कुद्दूसी को नोटिस जारी करने को रद्द करते हुए धारा 91 CrPC के दायरे पर महत्वपूर्ण स्पष्टता दी है। कोर्ट ने कहा कि इस धारा का उद्देश्य केवल पहले से मौजूद दस्तावेज़ या चीज़ों को पेश करवाना है, न कि आरोपी को अपनी याददाश्त से जानकारी निकालकर लिखित रूप में देने के लिए मजबूर करना। हाईकोर्ट की बेंच ने सख्त लहजे में कहा कि ऐसा करने पर आरोपी पर सेल्फ-इनक्रिमिनेशन (खुद को दोषी ठहराने की मजबूरी) का खतरा बनता है, जो संविधान के अनुच्छेद 20(3) के खिलाफ है। अनुच्छेद 20(3) के तहत किसी भी व्यक्ति को अपने खिलाफ कानूनी रूप से बोलने या लिखित में देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, चाहे वह जांच के किसी भी स्टेज पर क्यों न हो। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धारा 91 CrPC का प्रयोग केवल उन चीज़ों या दस्तावेजों के लिए किया जा सकता है, जो पहले से मौजूद हैं, और जांच एजेंसियां आरोपी को अपनी याददाश्त या व्याख्या से जानकारी देने के लिए बाध्य नहीं कर सकतीं।

ई-मंडी में फर्जीवाड़ा उजागर : 5,600 क्विंटल धान के अवैध परिवहन पर कार्रवाई,फर्म सील

रायपुर,27 जनवरी 2026। कृषि उपज मंडी व्यवस्था में पारदर्शिता कर अनुशासन और शासकीय राजस्व की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने एक बार फिर सखूत रुख अपनाया है। नगरी कृषि उपज मंडी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घुटकेल स्थित थोक धान व्यापारी शिवम ट्रेडर्स के विरुद्ध गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर प्रशासन ने निर्णायक कार्रवाई करते हुए फर्म को सीलबंद कर दिया है तथा संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। अनुविभागीय दण्डाधिकारी नगरी के आदेश पर गठित चार सदस्यीय जांच दल द्वारा 11 जनवरी 2026 को फर्म का मौके पर निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया गया। जांच प्रतिवेदन 14 जनवरी 2026 को प्रस्तुत किया गया, जिसमें ई-मंडी/एग्री पोर्टल से जारी अनुज्ञा पत्रों, स्टॉक पंजी (बी-1) तथा बोराई मंडी चेक पोस्ट के आवक-जावक अभिलेखों का विस्तृत मिलान किया गया। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि फर्म द्वारा ई-मंडी पोर्टल से जारी अनुज्ञा पत्रों की तुलना में स्टॉक पंजी में धान की जावक मात्रा अधिक दर्शाई गई। कई प्रकरणों में पीडीएफ दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर धान की मात्रा बढ़ाकर दिखाई गई।

5 शिक्षकों की बर्खास्तगी पर हाईकोर्ट की रोक

कहा-बिना विभागीय-जांच के सेवा से अलग करना गलत,फर्जी-नियुक्ति के आरोपों पर डीईओ ने लिया था एक्शन

बिलासपुर,27 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस पीपी साहू ने कहा कि, बिना विभागीय जांच के किसी भी शासकीय कर्मचारी को सेवा से अलग नहीं किया जा सकता। इस टिप्पणी के साथ ही हाईकोर्ट ने धमतरी जिले के मगरलोड जनपद पंचायत के पांच शिक्षकों की बर्खास्तगी आदेश पर रोक लगा दी है। बता दें कि,फर्जी नियुक्ति के आरोप में इन शिक्षकों को जिला शिक्षा अधिकारी ने बर्खास्त कर दिया था। दरअसल,ईश्वरी निर्मलकर और पांच अन्य शिक्षकों की नियुक्ति जनपद पंचायत मगरलोड में साल 2007 में शिक्षा कर्मी वर्ग-3 के पद पर हुई थी। जिसके बाद प्रावधान के अनुसार साल

2009 में उन्हें नियमित किया गया। इस बीच साल 2018 में शासन के आदेश पर उनका संविलयन स्कूल शिक्षा विभाग में किया गया। जिसके बाद उन्हें साल 2023 में प्राइमरी स्कूल में हेडमास्टर के पद पर पदोन्नत किया गया।

फर्जी नियुक्ति के आरोप पर किया बर्खास्त

इन शिक्षकों के खिलाफ छत्तीसगढ़ राज्य लोक आयोग में की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उनकी नियुक्ति की गई है। इस शिकायत पर लोक आयोग ने केस दर्ज किया, जिसके बाद साल 2011 में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। साल 2025 में याचिकाकर्ताओं को आरोपी बनाकर कोर्ट में पूरक चालान पेश किया गया। यह मामला अभी ट्रायल कोर्ट में लंबित है। इसी फर्जी दस्तावेज के आधार पर नियुक्ति करने के आरोप में डीईओ ने उन्हें शो कॉज नोटिस जारी कर 24 घंटे में जवाब मांगा,जिसका उन्होंने जवाब भी दिया और बताया कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार है। लेकिन,डीईओ ने 6 जनवरी को उन्हें सेवा से बर्खास्त करने का आदेश जारी कर दिया।

बर्खास्तगी आदेश को दी चुनौती,हाईकोर्ट ने लगाई रोक

इस पर पीड़ित शिक्षकों ने अपने एडवोकेट प्रतीक शर्मा के जरिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। जिसमें डीईओ के बर्खास्तगी आदेश को चुनौती दी गई। याचिका में बताया गया कि छत्तीसगढ़ सिविल सर्विस क्लासिफिकेशन कंट्रोल एंड अपील रूल्स 1966 के नियम 14 के उल्लंघन के आधार पर पारित किया गया है।

सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता...जंगल में माओवादियों का आईईडी डंप बरामद, विस्फोटकों को किया गया निष्क्रिय

दंतेवाड़ा,27 जनवरी 2026। जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के बारसूर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुफा के जंगली पहाड़ी इलाके में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। नक्सल विरोधी अभियान के तहत माओवादियों द्वारा छिपाकर रखे गए आईईडी विस्फोटक डंप को बरामद कर सुरक्षित रूप से निष्क्रिय किया गया है। यह संयुक्त कार्रवाई Young Platoon/195 वाहिनी, सीआरपीएफ की बम डिस्पोजल स्क्वॉड और थाना बारसूर पुलिस द्वारा की गई। यह कार्रवाई पोलसेंट सीजी सेक्टर, CRPF से प्राप्त सटीक और विश्वसनीय आसूचना के आधार पर त्वरित रूप से

अंजाम दी गई। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के दिशा-निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.के. बर्मन के मार्गदर्शन में जिले में लगातार नक्सल गशत और सर्चिंग अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 22 जनवरी 2026 को थाना बारसूर क्षेत्र के ग्राम गुफा के वन क्षेत्र में माओवादियों द्वारा आईईडी लगाए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। वहीं सूचना के आधार पर आज 27 जनवरी को सुबह 06:00 बजे से ग्राम गुफा एवं आसपास के वन क्षेत्र में डी-माइनिंग कार्रवाई की गई। सघन तलाशी के दौरान माओवादियों द्वारा छिपाकर रखे गए विस्फोटक डंप को चिन्हित किया गया। संयुक्त सर्च ऑपरेशन में हिमांशु के नेतृत्व में Young Platoon/195 बटालियन,बम डिस्पोजल टीम एवं सिविल पुलिस, थाना बारसूर शामिल रही। उक्त अभियान का समग्र नेतृत्व अनिल कुमार सिंह, कमांडेंट, 195 बटालियन द्वारा किया गया।

तलाशी के दौरान मौके से बरामद की गई विस्फोटक सामग्री : 01 डायरेक्शनल पाइप बम, एक डेटोनेटर सहित (वजन लगभग 5 किलोग्राम), 01 प्रेशर कुकर आईईडी, लगभग 15 मीटर वायर के साथ (वजन लगभग 5 किलोग्राम)।

वर्क-फ्रॉम-होम जॉब के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले 3 गिरफ्तार,देश के 14 थानों में वांटेड है आरोपी

रायपुर,27 जनवरी 2026। वर्क फ्रॉम होम के नाम पर लोगों को मोटे मुनाफे का लालच देकर लाखों की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का रायपुर रेंज साइबर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गिरोह के तीन मुख्य आरोपियों को महाराष्ट्र और राजस्थान से गिरफ्तार किया है। आरोपी देश के 14 थानों में वांटेड बताए जा रहे हैं। आरोपियों का नाम जोधपुर निवासी

उत्पल पंचारिया (21), सांगली निवासी रोहित बबन कौलगे (31) और सांगली निवासी श्रीनिवास राठी है। पीड़ित पारस कुमार धीवर ने राखी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि, ऑनलाइन वर्क फ्रॉम होम के माध्यम से मुनाफा कमाने का झांसा देकर उनसे 24 लाख रुपए की साइबर ठगी की है। शिकायत के आधार पर राखी पुलिस ने केस दर्ज किया और जांच शुरू की। विवेचना अधिकारियों ने जांच के दौरान बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और टेलीग्राम चैनल्स से जुड़े तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया। टेलीग्राम चैनल से मिले इनपुट के आधा पर पुलिसकर्मियों ने महाराष्ट्र-राजस्थान में रेड मारकर एक ही समय में तीन आरोपियों को पकड़ा।

बॉयफ्रेंड को न्यूड वीडियो कॉल करती थी पत्नी,पति ने बेडरूम में लगाए सीसीटीवी कैमरे,हाईकोर्ट को सौंपे फुटेज, फैमिली-कोर्ट को दोबारा सुनवाई के आदेश...

बिलासपुर,27 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पति ने तलाक के लिए हाईकोर्ट में याचिका लगाई। पति का आरोप है कि उसकी पत्नी अपने बॉयफ्रेंड को न्यूड वीडियो कॉल करती थी। हाईकोर्ट को फुटेज भी सौंपे हैं। वहीं पत्नी ने कहा कि पति बेडरूम में कैमरे लगवाकर नजर रखता था। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की

सुनवाई के बाद महासमुंद फैमिली कोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया है। केस की दोबारा सुनवाई करने के आदेश दिए हैं। सीसीटीवी फुटेज वाली सीडी को रिकॉर्ड पर लेने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि मामला 4 साल से अधिक समय से लंबित है, इसलिए फैमिली कोर्ट इसे प्राथमिकता के आधार पर निपटाए। जस्टिस संजय के. अग्रवाल और अरविंद कुमार वर्मा की डिवीजन बेंच ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज, सीडी या दूसरे इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को फैमिली कोर्ट की कार्यवाही में सिर्फ इस आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता कि उनके साथ इंडियन एविडेंस एक्ट की धारा 65-बी के तहत सर्टिफिकेट नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि फैमिली कोर्ट एक्ट, 1984 की धारा 14 और 20 के तहत, फैमिली कोर्ट के पास किसी भी विवाद को प्रभावी ढंग से सुलझाने के लिए किसी भी दस्तावेज या सबूत को स्वीकार करने की शक्ति है। भले ही वह तकनीकी रूप से एविडेंस एक्ट की सभी जरूरतों को पूरा न करता हो। दरअसल,तमनार थाने में दर्ज शिकायत के मुताबिक, महासमुंद की रहने वाली एक महिला की शादी रायगढ़ निवासी युवक के साथ साल 2012 में हुई थी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)